संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 44 रविवार 15 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में फर्जी अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़

13 बांग्लादेशी समेत 42 गिरफ्तार

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2024(ए)। दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 42 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें 13 बांग्लादेशी नागरिक हैं. दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने इस साल कई अंतरराष्ट्रीय फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया और 13 बांग्लादेशी नागरिकों सहित 42 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 23 लोग एजेंट के रूप में काम करते पाए गए, जबकि अन्य यात्री के रूप में पकड़ा गया है। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने कहा कि सिंडिकेट, जिसमें अक्सर पड़ोसी देशों के विदेशी नागरिक शामिल होते हैं, भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट हासिल करते हैं।

लाल कृष्ण आडवाणी की बिगड़ी तबीयत

दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2024(ए)। देश के पूर्व गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता लाल कृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें नई दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि इससे पहले भी उन्हें इसी साल जुलाई महीने में दिल्ली के अपोलो अस्पताल में ही भर्ती कराया गया था। हालत स्थिर होने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।

गोवा में ईडी टीम पर हमला

क्रूज कैसीनो प्राइड में जांच के दौरान कर्मचारियों ने कमरे में किया बंद

पणजी,14 दिसम्बर 2024(ए)। गोवा में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच करने के लिए पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमला हुआ है। ईडी के अधिकारियों पर क्रू ज कैसीनो प्राइड में काम कर रहे कर्मचारियों ने हमला कर उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया। इस घटना में क्रूज कैसीनो के निदेशक, दो वरिष्ठ कर्मचारी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। ईडी के सहायक निदेशक पोलुरी चेन्ना केशव राव और उनकी टीम गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलाशी लेने के लिए क्रूज पहुंचे थे। इस दौरान कर्मचारियों ने उन्हें बंदूक और अन्य हथियारों के साथ धमकी दी, और एक कमरे में बंद कर दिया, जिससे ईडी की जांच में रुकावट आई।

संविधान को लेकर सत्तापक्ष व विपक्ष में टकराव

» राहुल ने सदन में दिखाई मनुस्मृति और संविधान की कॉपी...

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2024(ए)। संविधान चर्चा के दौरान कई ऐसे मौके आए,जब सत्तापक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोक-झोक और विवाद दिखा। हालांकि अपने 27 मिनट के संबोधन में राहुल ने जिस तरह से अचानक अपनी बात खत्म की, उससे सदन में सभी हैरान दिखे। कांग्रेस के भीतर भी यह दिखा। कुछ सांसदों का कहना कि यह एक बेहतर मौका था, जब बहुत कुछ कहा जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब बोलने के लिए खड़े हुए तो सत्ता पक्ष उन्हें कहीं हल्के फुल्के अंदाज में टोकता दिखा तो कहीं उसने राहुल के कथन पर तीखी आपत्ति जाहिर की, जिसे लेकर सत्तापक्ष व विपक्ष सदन में भिड़ता दिखाई दिया।

राहुल गांधी ने सुनाई एकलव्य की कहानी

राहुल ने एकलव्य की कहानी सुनाते हुए जब कहा कि सात आठ साल का युवा तो सत्तापक्ष ने तुरंत टोकते हुए कहा कि युवा नहीं बच्चा। उसके बाद राहुल ने अपने कथन को सुधार लिया। राहुल ने सदन में पिछली बार की तरह इस बार भी अभय मुद्रा का जिक्र किया। जब वह अभय मुद्रा को सामने रखते हुए इसके पीछे का संदेश समझाने की कोशिश करते हैं और फिर अभय मुद्रा में उठे हाथ का अगूंठा दबाकर उसे पलटकर अंगूठा कटा दिखाकर एकलव्य के प्रतीक के तौर पर सामने रखते हैं तो एसपी चीफ मुस्कुराते हुए कहते हैं कि इस प्रतीक का जिक्र तो मैं पहले कर चुका हूं तो तुरंत हंसते हुए राहुल कहते हैं, हां मैं आप ही कही बात कर रहा हूं।

राहुल गांधी जब केंद्र सरकार व यूपी सरकार पर हमला बोल रहे थे तो विपक्ष की ओर से खूब टोका-टोकी हुई, जिस पर विपक्ष पर बैठे कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर कहने लगे अभी कुछ देर में पीएम भी तो बोलेंगे, तब देखिएगा। इस पर आसन की ओर से कहा गया कि आप धमकी नहीं दे सकते।

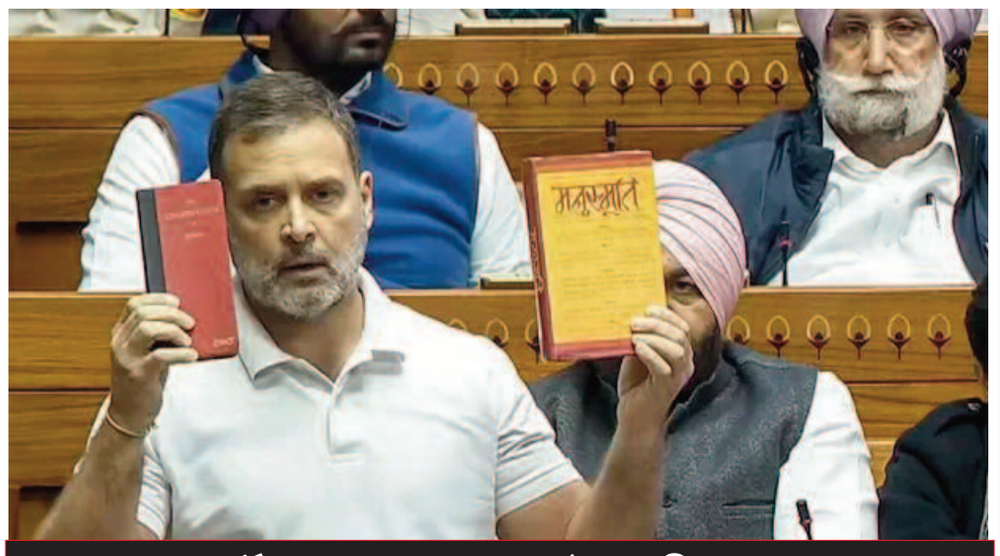

राहुल और सत्तापक्ष के बीच टकराव

वहीं उन्होंने देश के संविधान के बरक्स मनुस्मृति रखते हुए संविधान व मनुस्मृति की कॉपी दिखाई। इतना ही नहीं,सावरकर को लेकर एक बार फिर राहुल और सत्तापक्ष टकराता दिखा। शिवसेना सांसद एकनाथ शिंदे ने अपने संबोधन में दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष सावरकर पर हमला करते हैं, लेकिन उनकी दादी ने सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के सचिव पंडित बाखले को लिखे लेटर में सावरकर की तारीफ की थी और उन्हें साहसी बताया था। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं कि क्या उनकी दादी भी संविधान विरोधी थीं। इस पर राहुल गांधी स्पष्टीकरण देने की मांग करने लगे। आसन की ओर से उन्हें शिंदे की बात खत्म होने के बाद मौका देने के लिए कहा गया, लेकिन कांग्रेस सांसद तत्काल अनुमति देने की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे और आसन के समीप आ गए। कुछ देर हंगामे के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति दी। राहुल ने कहा कि जब मैं छोटा था तो मैंने इंदिरा गांधी जी से सावरकर के बारे में पूछा था तो उन्होंने मुझे बताया था कि सावरकर ने अंग्रेजों से समझौता किया और अंग्रेजों को पत्र लिखकर माफी मांगी। गांधीजी जेल गये, नेहरू जी जेल गए, लेकिन सावरकर ने माफी मांगी थी। सत्ता पक्ष की ओर सवाल उठा दिया गया कि जब इंदिरा गांधी तो आप कितने साल छोटे थे, आप सावरकर के बारे में क्या जानते थे।

किरण रिजीजू ने दिया जवाब

सदन में जिस समय किरण रिजीजू अपनी बात रख रहे थे तो सत्ता पक्ष व विपक्ष नोक-झोंक करता दिखा। रिजिजू द्वारा पूर्व रक्षामंत्री ए के एंटनी के उस कथन पर विपक्ष की ओर से हंगामा देखा गया, जहां वह कहते हैं कि एंटनी ने सदन में कहा था कि सीमावर्ती इलाके में सड़क इसलिए नहीं बना रहे, ताकि कहीं दुश्मन न घुस आए। इस पर विपक्ष से खूब हंगामा दिखा। वहीं टीएमसी सांसद सौगत राय द्वारा टोके जाने पर रिजिजू ने कहा कि वह उनकी उम्र व सीनियोरिटी को देखते हुए कुछ नहीं बोल रहा, बराबर के होते तो जवाब देता। वहीं डीएमके नेता ए राजा ने जब कहा कि संविधान सभा एक पार्टी की देन है तो उन्होंने संविधान सभा के तमाम सदस्यों का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें से एक में आप हिंदु महासभा या संघ से जुड़े व्यक्ति का नाम बता दीजिए, इस पर सत्ता पक्ष की ओर से विरोध देखा गया। राजा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कहा कि आपके पार्टी के नंबर दो ने कहा कि 400 सीटें आएंगी तो संविधान बदल देंगे, संविधान की भावना बदलेगी, हिंदू राष्ट्र बना देंगे तो बीजेपी के सांसद ने तीखा विरोध करते हुए कहा कि इसे आप साबित कीजिए या आपके खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस लाएंगे, राजा कहने लगे कि ले आइए नोटिस। वहीं अपने संबोधन में जब उन्होंने एक जगह कहा कि संविधान गलत तत्वों के हाथ में चला गया है तो विपक्ष की ओर से प्रह्लाद जोशी,संजय जायसवाल व निशिकांत जैसे नेता राजा का तीखा विरोध करते दिखे। उनका कहना था कि कोई सांसद पूरी सरकार को गलत तत्व कैसे कह सकता है। सत्ता पक्ष माफी की मांग करता दिखा।

वन नेशन,वन इलेक्शन पर लोकसभा में अर्जुन राम मेघवाल सोमवार को पेश करेंगे बिल

» चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा जाएगा...

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2024(ए)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सोमवार को लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल पेश करेंगे। सूत्रों से खबर मिली है कि इस बिल को पहले चर्चा और आम सहमति बनाने के लिए जेपीसी के पास भेजा जाएगा। जेपीसी सभी दलों के नेताओं संग चर्चा करेगी उसके बाद कोई फैसला लिया जाएगा। अर्जुन राम मेघवाल भारत के संविधान में और संशोधन करने के लिए विधेयक पेश करने की अनुमति के लिए प्रस्ताव करेंगे।सूत्रों से पता चला है कि पहला संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है, तथा दूसरा विधेयक दिल्ली,जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है. इस बीच, केंद्रीय मंत्री मेघवाल संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 भी पेश करेंगे ताकि संघ राज्य क्षेत्र अधिनियम, 1963, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में और संशोधन करने के लिए विधेयक पेश किया जा सके।

कई विपक्षी नेताओं ने एक राष्ट्र एक चुनाव प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यह अव्यावहारिक है और संघवाद पर हमला है। सीनियर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर कोई राज्य सरकार छह महीने में गिर जाती है या अपना बहुमत खो देती है, तो क्या राज्य को बाकी के 4.5 साल बिना सरकार के रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव 6 महीने से ज़्यादा नहीं टाले जा सकते। अगर वन नेशन वन इलेक्शन की शुरुआत हो रही है और किसी राज्य में 6 महीने में सरकार गिर जाती है, अविश्वास प्रस्ताव पास हो जाता है, तो क्या हम 4.5 साल तक बिना सरकार के रह पाएंगे? इस देश में ऐसा संभव नहीं है. पहले सरकारें 5 साल का अपना कार्यकाल पूरा करती थीं, लेकिन आज कहीं सरकारें 2.5 साल में गिर जाती हैं तो कहीं 3 साल में।

वहीं,कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की और कहा कि यह विधेयक लोकतंत्र को कमजोर करता है। जयराम रमेश ने कहा कि यह विधेयक संसद में पेश किया जाएगा और हम चाहते हैं कि इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाए, जो इस पर चर्चा करेगी।

वन नेशन,वन इलेक्शन देश की जरूरतः चिराग पासवान

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने वन नेशन, वन इलेक्शन को देश की जरूरत बताते हुए कहा कि इसकी चाहत हमलोगों की लंबे समय से थी। उन्होंने विपक्ष के विरोध करने पर कहा कि विपक्ष को हर एक फैसले से ऐतराज है। शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे नेता और मेरे पिता रामविलास पासवान की भी यही सोच रही थी कि देश में एक साथ चुनाव हो।

अमित शाह का तीन दिन के लिए छत्तीसगढ़ प्रवास

नक्सल विरोधी अभियान को देंगे गति

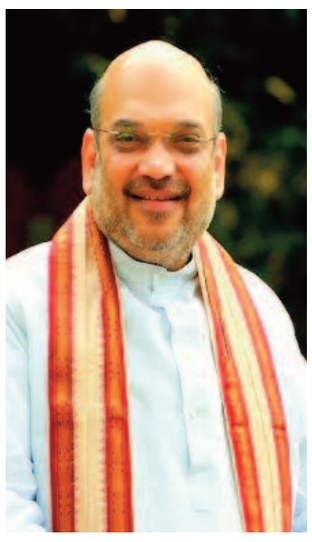

रायपुर,14 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को छत्तीसगढ़ आएंगे। इस दौरान वह नक्सल विरोधी अभियान को गति देंगे।जानकारी के मुताबिक, अमित शाह नक्सल प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे। वह सुरक्षा व शांति से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अमित शाह 15 दिसंबर को रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस को प्रेसिडेंट कलर प्रदान कर मनोबल बढ़ाएंगे। इसके बाद जगदलपुर में सर्किट हाउस में नक्सल पीड़ितों से मुलाकात करेंगे और मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मिलेंगे।

साथ ही, बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन भी करेंगे। 16 दिसंबर को वह जगदलपुर में नक्सल अभियानों में बलिदान हुए जवानों को श्रद्धांजलि देकर उनके स्वजन व हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के साथ मुलाकात करेंगे। जगदलपुर में सुरक्षा कैंप का दौरा और गांव में विकास कार्यों का निरीक्षण कर जवानों के साथ भोजन करेंगे।

ननकी राम कंवर के पत्र से हड़कम्प

रायपुर,14 दिसम्बर 2024 (ए)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आगमन के ठीक पहले पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने उन्हें पत्र लिखकर राइस मिलर्स के हड़ताल की तरफ उनका ध्यान आकृष्ट कराया है, और अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कि ऐसा लगता है कि सरकार किसानों का धान नहीं खरीदना चाहती है। पूर्व गृहमंत्री कंवर ने राइस मिलर्स की बकाया भुगतान कराने, शासन के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

20 दिसंबर के बाद पंचायत चुनाव के लिए आचार संहिता लगने की चर्चा

रायपुर,14 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव होना है। वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार दोनों ही चुनावों को एक साथ करवाने की तैयारी कर रही है। वहीं, त्रिस्तीय पंचायत चुनाव और निकाय चुनाव की सुगबुगाहट शुरू होने के साथ ही लोग ये जानने के लिए आतूर हैं कि त्रिस्तीय पंचायत चुनाव और निकाय चुनाव कब होगा। हालांकि ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र खत्म होने के साथ ही आचार संहिता लागू कर दी जाएगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 से 20 दिसंबर तक चलेगा। मिली जानकारी के अनुसार नगरीय निकाय चुनाव से पहले परिसीमन की वजह से इस बार रायपुर मेयर समेत वार्डों का नए सिरे से आरक्षण होगा। बसे महत्वपूर्ण मेयर का रिजर्वेशन होगा।आरक्षण प्रक्रिया में राजधानी को अनारक्षित सामान्य, अनारक्षित महिला, ओबीसी और ओबीसी महिला के चार विकल्प मिलेंगे।

सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट से मची अफरा तफरी,कई मजदूर घायल

बांसवाड़ा,14 दिसम्बर 2024(ए)। बांसवाड़ा की एक सीमेंट फैक्ट्री में धमाके से आग लग ग। कोयला मिल में लीकेज से ब्लास्ट के बाद लगी आग से दो मजदूर झुलस गए। जिले के झालों का गढ़ा गांव में स्थित इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड फैक्ट्री में शनिवार सुबह ये हादसा हुआ यह हादसा इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड फैक्ट्री में शनिवार सुबह हुआ है, जो कि बांसवाड़ा जिले के झालों का गढ़ा गांव में है। हादसे में कुटुंबी गांव निवासी ईश्वरलाल पुत्र नाथजी और नौखला गांव निवासी दिलीप पुत्र भारता झुलस गए। हालांकि दोनों की स्थिति अभी खतरे से बाहर बताई जा रही है। फिलहाल दोनों मजदूरों का बांसवाड़ा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। दोनों घायलों को जल्द ही अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। धमाका इतना तेज था कि कई किलोमीटर दूर तक आवाज सुनाई दी । घटनास्थल पर तीन थानों से करीब 70 जवानों को तैनात किया गया है। मजदूरों का आरोप है कि फैक्ट्री के कोयला डिपो में गैस की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही थी। इस संबंध में कई बार प्रबंधन को जानकारी दी गई थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ऐसे में शनिवार को जब टैंक में कोयला डाला जा रहा था तब तेज धमाका हो गया।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने किरेन रिजिजू पर लगाया संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2024(ए)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ अंतर-संसदीय परिषद में शिकायत दर्ज कराई है।उन्होंने रिजिजू पर भारतीय संविधान पर लोकसभा में बहस के दौरान धमकी देने का आरोप लगाया है। यह घटना न्यायाधीश बीएच लोया की मौत पर मोइत्रा की विवादास्पद टिप्पणी के बाद हुई थी।उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के रिजिजू की टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाने के संकेत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। बहस में मोइत्रा ने न्यायमूर्ति एचआर खन्ना की 1976 की असहमति की तुलना न्यायाधीश लोया की मृत्यु से की। रिजिजू ने पलटवार करते हुए कहा कि मोइत्रा ने एक ऐसा मुद्दा उठाया है जिसका निपटारा सुप्रीम कोर्ट पहले ही कर चुका है।उन्होंने संसद में परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा,हम उचित संसदीय कार्रवाई करेंगे। आप बच नहीं सकतीं। आप बहुत गलत मिसाल कायम कर रही हैं। इस उग्र बहस के कारण 2 बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। टीएमसी के सौगत रॉय और कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल सहित विपक्षी सदस्यों ने मोइत्रा के प्रति रिजिजू की भाषा पर आपत्ति जताई।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकसभा में अध्यक्ष के पास अधिकार है और अगर मोइत्रा के भाषण को लेकर कोई चिंता थी तो उचित प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए था।वेणुगोपाल ने रिजिजू से माफी मांगने या उनकी टिप्पणी को हटाने की मांग करते हुए कहा कि मंत्री को महिला सदस्य को धमकाना नहीं चाहिए।

46 साल से बंद मंदिर में भगवान हनुमान की प्रतिमा और शिवलिंग मिला

संभल,14 दिसम्बर 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद सरकार कानून व्यवस्था को लेकर सख्त है। इसी बीच खग्गुसराय के मुस्लिम बहुल इलाके में 46 साल से बंद मंदिर का पता चला है। प्रशासन ने मंदिर को खोला तो उसमें भगवान हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिली हैं।अब प्रशासन ने मंदिर पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है और अतिक्रमियों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि यह मंदिर रस्तोगी परिवार के कुलगुरु है। मंदिर के पास कुंआ और पीपल का पेड़ भी था। पेड़ को लोगों ने काट दिया, जबकि कुएं को खुलवाने का काम जारी है।उन्होंने बताया कि 1978 में हिंदू-मुस्लिम दंगों के बाद हिंदुओं ने इस इलाके को छोड़ दिया था। उसके बाद से ही इस मंदिर को बंद कर उस पर कब्जा कर लिया गया था। अब इसे फिर से खोला गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुबह जब बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था, तो इस जगह टीम पहुंची थी। यहां कई घरों और मस्जिदों में बिजली चोरी होना पाया गया। जांच के दौरान ही यह मंदिर मिल गया। इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी गई।उन्होंने बताया कि मौके पर अतिरिक्ति पुलिस बल को बुलाकर जब मंदिर को खोला गया तो इसमें हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिल गई। इसके बार उनकी सफाई कराई गई।

संपादकीय

ट्रंप की ब्रिक्स देशों को धमकी

ट्रंप ने डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने पर ब्रिक्स देशों के उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। संभवतः ऐसी घोषणाएं करते समय ट्रंप भूल जाते हैं कि नई भू-आर्थिकी के बीच वे जो कार्ड खेल रहे हैं, वो दोधारी है।अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि ब्रिक्स देशों ने अपने कारोबार को डॉलर से हटाने की कोशिश की, तो वे उन सबके यहां से अमेरिका होने वाले आयात पर 100 फीसदी सीमा शुल्क लगा देंगे। ब्रिक्स में कई ऐसे देश शामिल हैं, जो अमेरिका के घोषित मित्र हैं। मगर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कनाडा जैसे सहयोगी देश पर 25 फीसदी सीमा शुल्क लगाने का एलान ट्रंप पहले ही कर चुके हैं। उनका इरादा यूरोपीय देशों पर भी ऐसी कार्रवाई का है।ऐसा लगता है कि ऐसी घोषणाएं करते समय ट्रंप भूल जाते हैं कि नई भू-आर्थिकी के बीच वे जो कार्ड खेल रहे हैं, वो दोधारी है। उसका उलटा असर भी होगा। डॉलर की भूमिका के लिए आज चुनौती पेश आई है, तो उसकी एक वजह यह है कि अपनी उत्पादक क्षमता खोने के बाद अमेरिका बाकी दुनिया के लिए अपरिहार्य नहीं रह गया है।डॉलर को वैश्विक कारोबार की मुद्रा बनाने में अमेरिकी आर्थिक ताकत का सबसे प्रमुख योगदान था। इससे अमेरिका को ये विशेष सुविधा मिली। इस कारण देश अपने यहां उत्पन्न मूल्य का एक हिस्सा अमेरिका के नियंत्रण में भेजने को विवश हो गया। यह ऐसी ताकत थी, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग कर अमेरिका लंबे समय तक इस विशेष सुविधा को बनाए रख सकता था। लेकिन भू-राजनीतिक और कूटनीतिक मकसदों को साधने के लिए उसने इस ताकत का अनियंत्रित दुरुपयोग शुरू कर दिया। नतीजतन, उससे प्रतिबंधित देशों की उसकी सूची लंबी होती चली गई। लाजिमी है, प्रतिबंधित एवं प्रतिबंधों की आशंका झेल रहे देश विकल्प की तलाश में जुटते। उसका परिणाम फिलहाल अपनी मुद्राओं में अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने के चलन में दिख रहा है। ब्रिक्स ऐसे सामूहिक प्रयास का मंच बना है। चल चुके इस चक्र को रोकना अब कठिन है। ट्रंप प्रतिबंधों की राह छोड़ने और डॉलर के अंतरराष्ट्रीय भुगतान के मंच स्विफ्ट से किसी देश को बाहर ना करने का एलान करते, तो शायद वे कुछ सकारात्मक परिणाम हासिल कर सकते थे। लेकिन उन्होंने वही तलवार उठाई है, जिसके इस्तेमाल का नतीजा डॉलर से बचने की परिघटना के रूप में सामने आया है।

केजरीवाल सरकार की असलियत पर होगा चुनाव

दिल्ली का इस बार का चुनाव पिछले तीन चुनावों से अलग होने जा रहा है। ऐसा जमीन पर भले नहीं दिखाई दे या लोकप्रिय धारणा अभी ऐसी नहीं दिख रही हो लेकिन आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल जिस तरह से चुनाव लडने़ की तैयारी कर रहे हैं उससे लग रहा है कि जमीनी स्थितियां बदल गई हैं या बदल रही हैं। पहले तीन चुनावों की तरह केजरीवाल न तो अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन' के आंदोलन की लहर पर सवार हैं, न लोकपाल बनाने के संकल्प के आधार पर चुनाव लड़ रहे हैं, न आम आदमी होने का दावा करके चुनाव लड़ रहे हैं और न मुफ्त की रेवड़ी' बांटने के दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार का चुनाव उनके और उनकी सरकार की असलियत पर होगा।उनके राजकाज की असलियत हवा और पानी का प्रदूषण है, यमुना की गंदगी है तो स्थायी विकास के कार्यों का ठप्प होना और दिल्ली के घाटे की अर्थव्यवस्था की ओर बढऩा है।ध्यान रहे अरविंद केजरीवाल ने पहला चुनाव आंदोलन की लहर पर लड़ा था और बदलाव की चाह रखने वाले लोगों ने उनको वोट दे दिया था। उस समय लगातार तीन बार की कांग्रेस की सरकार से लोग उबे भी थे और निर्भया आंदोलन ने भी लोगों का मतदान व्यवहार तय करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। तब केजरीवाल की पार्टी 28 सीट के साथ दूसरे स्थान पर रही थी, जबकि 32 सीट जीत कर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। कांग्रेस को आठ सीटें मिली थीं।कांग्रेस ने उस समय सबसे बड़ी रणनीतिक भूल की और आप को समर्थन देकर केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया। अरविंद केजरीवाल ने लोकपाल के नाम पर 49 दिन के बाद इस्तीफा दे दिया। अगला चुनाव लोकपाल और मुफ्त बिजली, पानी के नाम पर हुआ तो आदर्शवादी और आकांक्षी लोगों ने एक साथ होकर केजरीवाल को वोट दिया और वे 67 सीटें जीत गए। अगला चुनाव मुफ्त की रेवड़ी' और अच्छे स्कूल, अस्पताल के नाम पर हुआ और फिर आम आदमी पार्टी चुनाव जीत गई।लेकिन 10 साल के शासन के बाद हर चीज की हकीकत लोगों के सामने है। इंडिया अगेंस्ट करप्शन' और अन्ना हजारे को लोग भूल चुके हैं। युवा मतदाताओं का एक बड़ा समूह ऐसा है, जिसको न तो आंदोलन याद है और न अन्ना हजारे याद हैं। इसी तरह लोकपाल भी अब किसी को याद नहीं है। वह तो खुद केजरीवाल को भी याद नहीं है। अब तो भ्रष्टाचार रोकने के लिए मोबाइल से वीडियो बना लेने जैसे बेवकूफी भरे सुझावों के विज्ञापन भी दिल्ली सरकार नहीं दे रही है। इसी तरह केजरीवाल अब मफलर लपेट, खांसते हुए आम आदमी नहीं हैं, बल्कि 50 करोड़ रुपए के खर्च से बनाए उनके शीशमहल' की तस्वीरें और वीडियो दिल्ली की जनता देख चुकी है। ऐसे ही मुफ्त की रेवड़ी' में कुछ भी अनोखापन नहीं रह गया है।एक के बाद एक राज्यों में सत्तारूढ़ दल या विपक्षी पार्टियां ढेर सारी वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में बांटने का वादा करके चुनाव जीत रही हैं। जनता को पता है कि जो जीत कर आएगी वह मुफ्त की चीजें देगा। किसी पार्टी की हिम्मत नहीं है कि मुफ्त की रेवड़ी' बंद कर दे। इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह भय दिखाना कि भाजपा आएगी तो मुफ्त बिजली, पानी और बस सेवा बंद कर देगी, बहुत कारगर नहीं होने वाला है।सो, पिछले तीन चुनावों में जीत के जो फॉर्मूले थे वो या त ो एक्सपोज हो गए हैं या अप्रासंगिक हो गए हैं।

केजरीवाल की अब तक की जीत में एक बड़ा फैक्टर कांग्रेस पार्टी की कमजोरी का रहा है। कांग्रेस को 2013 के विधानसभा चुनाव में 24.60 फीसदी वोट आया था। अगले चुनाव में यानी 2015 में यह घट कर 9.70 फीसदी रह गई। यानी कांग्रेस का वोट 15 फीसदी कम हुआ। यह पूरा वोट और अलग से 10 फीसदी अतिरिक्त वोट आप को मिला, जिससे वह 2013 के 29.50 से बढ़ कर 2015 में 54 फीसदी वोट पर पहुंच गई। भाजपा के वोट में 0.8 फीसदी की कमी आई यानी उसने अपना वोट आधार बचाए रखा। 2020 के चुनाव में कांग्रेस और कमजोर हुई। उसका वोट घट कर साढ़े पांच फीसदी पर आ गया, जबकि आम आदमी पार्टी को लगभग उतना ही वोट आया, जितना 2015 में आया था। इस बार फर्क यह था कि कांग्रेस का जो चार फीसदी के करीब वोट घटा वह भाजपा को चला गया। उसका वोट 33 फीसदी के औसत से बढ़ कर साढ़े 38 फीसदी हो गया। पांच फीसदी वोट बढने़ से भाजपा की पांच सीटें बढ़ीं।दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत घटते जाने का हिसाब सीधे तौर पर उसकी राष्ट्रीय हैसियत से जुड़ा है। वह 2013 में केंद्र की सत्ता में थी तो दिल्ली विधानसभा में उसे 24 फीसदी से ज्यादा वोट मिला। 2015 के दिल्ली चुनाव के समय तक वह बुरी तरह हार कर 44 लोकसभा सीट वाली पार्टी रह गई थी, जिसे मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था। अगले चुनाव यानी 2020 में भी उसकी कमोबेश यही स्थिति थी। वह 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव बुरी तरह हारी थी। परंतु 2024 के चुनाव में उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने 99 सीटें जीती हैं और देश भर में उसकी वापसी की चर्चा शुरू हो गई है। भले वह हरियाणा और महाराष्ट्र में हार गई, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं में कांग्रेस की ओर रूझान दिखने लगा है। यह अरविंद केजरीवाल के लिए चिंता की बात है।केजरीवाल की राजनीतिक सफलता मुस्लिम और प्रवासी वोटों पर टिकी हैं। अगर उसका एक हिस्सा कांग्रेस की ओर जाता है तो अरविंद केजरीवाल के लिए मुश्किल होगी। इसलिए वे कांग्रेस से मुस्लिम नेताओं को तोड़ कर उन्हें उम्मीदवार बना रहे हैं। लेकिन इससे नाराज आप के मुस्लिम नेता कांग्रेस और ऑल इंडिया एमआईएम की तरफ जा रहे हैं। आप विधायक अब्दुल रहमान कांग्रेस में गए हैं तो पार्षद ताहिर हुसैन एमआईएम में गए हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के महरौली के विधायक नरेश यादव कुरानशरीफ की बेअदबी के केस में दोषी ठहराए गए हैं। उनको दो साल की सजा हुई लेकिन केजरीवाल ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की।मुसलमानों में इससे भी अरविंद केजरीवाल के प्रति संशय बढ़ा है। तभी आप, कांग्रेस और एमआईएम के बीच मुस्लिम वोट बंटता है या एकमुश्त आप की ओर जाता है, इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। मुस्लिम के साथ दलित वोट का रूझान भी निर्णायक होगा। दिल्ली में दलित आबादी बहुत बड़ी है और उसका एकमुश्त वोट आप को मिलता रहा है। परंतु पिछले पांच साल में उसके दो बड़े दलित चेहरे राजकुमार आनंद और राजेंद्र पाल गौतम पार्टी छोड़ कर जा चुके हैं।केजरीवाल भले अपनी पदयात्रा में हर जगह कह रहे हों कि सभी 70 सीटों पर वे खुद लड़ रहे हैं और लोगों को उम्मीदवारों को नहीं देखना है लेकिन हकीकत यह है कि वे उम्मीदवारों पर सबसे ज्यादा मेहनत कर रहे हैं क्योंकि उनको अपने चेहरे पर भरोसा नहीं रहा। वे छोटे छोटे प्रबंधन में जुटे हैं। बाहर से लाकर नेताओं को टिकट दे रहे हैं। अपने विधायकों की टिकट काट रहे हैं या उनकी सीट बदल रहे हैं और मुफ्त की नई रेवड़ियों की घोषणा कर रहे हैं। 2013 में उन्होंने कांग्रेस को उसी दिन हरा दिया था, जिस दिन ऐलान किया था कि वे नई दिल्ली सीट पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ लड़ेंगे।लेकिन 2024 में उसी दिन कमजोर दिखने लगे, जिस दिन उन्होंने अपने नंबर दो मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से बदल कर जंगपुरा कर दी। अरविंद केजरीवाल के नंबर दो नेता, जिन्होंने कथित तौर पर दिल्ली में शिक्षा क्रांति की है, जो कथित तौर पर दिल्ली के बच्चों के मनीष चाचा' हैं, जिनको केंद्र सरकार ने कथित तौर पर सिर्फ इसलिए जेल भेजा ताकि दिल्ली की शिक्षा क्रांति को रोका जा सके, वे उस सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे, जहां से तीन बार जीते हैं। वहां से चुनाव लडने़ के लिए एक कोचिंग संचालक को लाया गया है, जिनकी रील्स सोशल मीडिया में काफी लोकप्रिय होती हैं। वे थोक के भाव कांग्रेस और भाजपा के पूर्व विधायकों को अपनी पार्टी की टिकट दे रहे हैं।बहरहाल, इसमें संदेह नहीं है कि अरविंद केजरीवाल अब भी दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत हैं। वे लगातार दो विधानसभा चुनावों में 50 फीसदी से ज्यादा वोट लेकर जीते हैं। परंतु इस बार वह स्थिति नहीं दिख रही है। इस बार किसी लहर की बजाय छोटे छोटे प्रबंधनों से और उम्मीदवार बदल कर केजरीवाल सत्ता विरोधी लहर को थामना चाहते हैं तो मुफ्त की नई रेवड़ियों की घोषणाओं से अपने वोट आधार को खुश करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने ऑटो वालों के लिए नई योजनाओं की घोषणा की है। आने वाले दिनों में कुछ और नई घोषणाएं होंगी। ऐसी घोषणाएं तो भाजपा भी करेगी। तभी मुकाबला हर सीट पर होगा और जमीनी प्रबंधन व वोट डलवाने की जिसकी मशीनरी बेहतर होगी वह जीतेगा।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को समझिए

दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में मनाया जाने वाला महाकुंभ मेला सनातनी आस्था, संस्कृति और प्राचीन परंपरा का अद्भुत और बेमिसाल मिश्रण है। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं।

आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज एक बार फिर इस शानदार उत्सव का केंद्र बन जाएगा, जो लाखों तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को भक्ति, एकता और भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा। इसलिए इसके राजनीतिक प्रभावों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर यदि हमारा नेतृत्व संवैधानिक राज के साथ-साथ सनातनी राज जैसी जनभावनाओं का भी बीजारोपण करे, तो यह भारत भूमि/आसेतु हिमालय के लिए बहुत बड़ा उपकार होगा। क्योंकि हमारी धर्मनिरपेक्ष नीतियां हीं हमारे बन्धु-बांधवों के दमन और उत्पीड़न की पर्याय बनती जा रही हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आसेतु हिमालयी देशों में हिन्दू जनमानस प्रताड़ित हो रहा है और हमारे नागा साधु भी इस स्थिति से उन्हें निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। भारत सरकार भी स्पष्ट और आक्रामक नीति से बच रही है, क्योंकि उसकी धर्मनिरपेक्षता ने हिन्दू उत्पीड़न को अघोषित गारंटी प्रदान करती जा रही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। इस पर हमारे साधु-संतों को गम्भीर होना होगा और धर्मनिरपेक्ष सरकार पर दबाव बनाना होगा। विश्व जनमानस पर भी इसका दबाव पड़े, यह चिंतन व अभिव्यक्ति शैली भी हमें विकसित करनी होगी। अतिक्रमित हिन्दू मंदिरों के पुनरुद्धार का मसला भी यहां उठना चाहिए, ताकि सबके बीच एक सकारात्मक संदेश जाए। इतिहास के पापों के प्रक्षालन का और कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इसके अलावा, और भी मुद्दे हैं, जिन पर इसी बहाने एक सकारात्मक बहस छिड़नी चाहिए।

वैसे तो इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों से परे खगोल विज्ञान, ज्योतिष,सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक ज्ञान का समृद्ध मिश्रण शामिल है। क्योंकि इस अवसर पर लाखों भक्त, तपस्वी और तपस्वी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान सहित पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए एकत्र होते हैं। इसलिए सनातनी हितों के सवाल पर भी यहां मौखिक विमर्श शुरू होना चाहिए। यहां आने वाले लोग सनातन धर्म के कट्टर अनुयायी होते हैं, इसलिए सनातनी संवेदनाओं को समझते उन्हें देर नहीं लगेगी। जब वो समझेंगे, तभी औरों को भी समझा पाएंगे।यह पुण्य कार्य होगा। यहां आने वाले भक्तों का भी मानना है कि महाकुंभ स्नान से उनके पाप धुल जाते हैं और उन्हें आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है। इस प्रकार महाकुंभ मेला न केवल भारत की गहरी जड़ें जमा चुकी विरासत का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि आंतरिक शांति, आत्म-बोध और सामूहिक एकता की शाश्वत मानवीय खोज को भी प्रदर्शित करता है।

शाही स्नानः- महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है, इन सभी में स्नान सबसे महत्वपूर्ण है। त्रिवेणी संगम पर आयोजित इस पवित्र समागम में भाग लेने के लिए लाखों तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं, जो इसमें विश्वास रखते हैं कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो सकता है। माना जाता है कि शुद्धिकरण का यह कार्य व्यक्ति और उनके पूर्वजों दोनों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर देता है,जिससे अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है।

स्नान अनुष्ठान के साथ-साथ तीर्थयात्री पवित्र नदी के किनारे पूजा-पाठ में भी शामिल होते हैं और साधुओं एवं संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में भाग लेते हैं, जिससे जीवन के अनुभव में आध्यात्मिक गहराई जुड़ जाती है। वैसे तो पूरे प्रयागराज महाकुंभ के दौरान पवित्र जल में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है, लेकिन कुछ तिथियां विशेष महत्व रखती हैं,जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी) आदि। इन तिथियों पर संतों, उनके शिष्यों और विभिन्न अखाड़ों (आध्यात्मिक क्रम में) के सदस्यों के साथ भव्य जुलूस निकलते हैं, जो शाही स्नान या राजयोगी स्नान के नाम से जाने जाने वाले भव्य अनुष्ठान में भाग लेते हैं। यह महाकुंभ मेले की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है और इस आयोजन का मुख्य आकर्षण है। शाही स्नान की परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि जो लोग अनुष्ठान में भाग लेते हैं उन्हें पवित्र जल में डुबकी लगाने पर पुण्य कर्मों का आशीर्वाद मिलता है और उनसे पहले आए संतों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है।

आरतीः- नदी के किनारों पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला गंगा आरती समागम में आए लोगों के लिए एक अविस्मरणीय क्षण होता है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान पुजारी जगमगाते दीपक पकड़कर दृश्य अभिनय प्रस्तुत करते हुए कठिन धर्मक्रिया करते हैं। गंगा आरती हजारों भक्तों को आकर्षित करती है, जिससे पवित्र नदी के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा जागृत होती है।

कल्पवासः- कल्पवास महाकुंभ उत्सव का एक गहरा लेकिन कम ज्ञात पहलू है, जो साधकों को आध्यात्मिक अनुशासन, तपस्या और उच्च चेतना के लिए समर्पित एक अनुष्ठान प्रदान करता है। संस्कृत से उत्पन्न कल्प का अर्थ है ब्रह्मांडीय युग और वास का अर्थ है निवास, जो गहन आध्यात्मिक अभ्यास की अवधि का प्रतीक है। कल्पवास में भाग लेने वाले तीर्थयात्री सादगी का जीवन अपनाते हैं, सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं और ध्यान, प्रार्थना और धर्मग्रंथ अध्ययन जैसे दैनिक अनुष्ठानों में व्यस्त रहते हैं। कल्पवास में वैदिक यज्ञ और होम, पवित्र अग्नि अनुष्ठान जो दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करते हैं और सत्संग, बौद्धिक एवं भक्ति विकास के लिए आध्यात्मिक प्रवचन भी शामिल हैं। यह गहन अनुभव बड़े तीर्थयात्रा के भीतर गहरी भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

प्रार्थना और अर्पणः- माना जाता है कि श्रद्धालु कुंभ के दौरान संगम पर आने वाले देवताओं के सम्मान में देव पूजन करते हैं। श्राद्ध (पूर्वजों को भोजन और प्रार्थना करना) और वेणी दान (गंगा में बाल चढ़ाना) जैसे अनुष्ठान त्योहार के अभिन्न अंग हैं, जो समर्पण और शुद्धि का प्रतीक हैं। सत्संग या सत्य के साथ जुड़ना एक और मुख्य अभ्यास है जहां भक्त संतों और विद्वानों के प्रवचन सुनते हैं। ज्ञान का यह आदान-प्रदान आध्यात्मिकता की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और उपस्थित लोगों को उच्च आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रेरित करता है। कुंभ के दौरान परोपकार का बहुत महत्व होता है। दान के कार्य जैसे गौ दान (गायों का दान) वस्त्र दान (कपड़ों का दान) द्रव्य दान (धन का दान) और स्वर्ण (सोना) दान को सराहनीय माना गया है।

दीप दानः- प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान दीप दान की रस्म पवित्र नदियों को एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य में बदल देती है। श्रद्धालु कृतज्ञता के रूप में त्रिवेणी संगम के बहते जल में हजारों प्रज्ज्वलित मिट्टी के दीपक (दीये) पानी में प्रवाहित करते हैं। अमूमन गेहूं के आटे से बने और तेल से भरे ये दीपक दिव्य चमक पैदा करते हैं। यह दिव्य प्रतिभा को दर्शाता है, जो आध्यात्मिकता और भक्ति का प्रतीक है। मेले की पृष्ठभूमि में नदी पर टिमटिमाते दीयों का दृश्य, वातावरण को धार्मिक उत्साह और एकता की गहरी भावना से भर देता है, जो तीर्थयात्रियों पर एक अमिट छाप छोड़ता है।

प्रयागराज पंचकोशी परिक्रमाः- तीर्थयात्रियों को प्राचीन पद्धतियों से फिर से जोड़ने के लिए प्रयागराज की परिक्रमा करने की ऐतिहासिक परंपरा को पुनर्जीवित किया गया है। इस यात्रा में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आध्यात्मिक पूर्णता प्रदान करने वाले द्वादश माधव और अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों जैसे पवित्र स्थल शामिल हैं। इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को इस महत्वपूर्ण आयोजन की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत से जुड़ने और उसकी सराहना करने का अवसर प्रदान करते हुए एक ऐतिहासिक अनुष्ठान को पुनर्जीवित करना है।

कुंभ मेला 2025 के आकर्षण का केंद्र बिंदु होगा निम्नलिखित आयोजन

महाकुंभ मेले के अनुष्ठानों और परंपराओं के अलावा कई अन्य आकर्षण हैं जो 2025 के आयोजन को और भी उल्लेखनीय बनाते हैं। गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम के रूप में अपने पवित्र महत्व के लिए जाना जाने वाला प्रयागराज तीर्थयात्रियों के लिए एक प्रमुख स्थान है। मेले में आने वाले भक्तों को श्रद्धेय त्रिवेणी संगम, जहां तीन नदियां मिलती हैं वहां अवश्य जाना चाहिए। यह पवित्र स्थान गहन आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है, जो दुनिया भर से लाखों भक्तों और यात्रियों को आकर्षित करता है।

धार्मिक अनुष्ठानों के अलावा प्रयागराज सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प रत्नों की एक समृद्ध श्रृंखला प्रदान करता है। शहर में हनुमान मंदिर, अलोपी देवी मंदिर और मनकामेश्वर मंदिर जैसे कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनमें से प्रत्येक का बहुत धार्मिक महत्व है और शहर की गहरी आध्यात्मिक विरासत की एक झलक प्रस्तुत करता है। ये मंदिर अपने अद्भुत डिजाइन और सदियों पुरानी किंवदंतियों के साथ हिंदू परंपराओं के साथ शहर के लंबे समय से जुड़े होने का प्रमाण हैं। इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए प्रयागराज में अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल भी हैं। यह प्राचीन इमारत भारत के समृद्ध ऐतिहासिक अतीत की याद दिलाती है। इसके शिलालेख देश की प्राचीन सभ्यता को दर्शाते हैं। शहर की औपनिवेशिक युग की वास्तुकला, जिसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय भवन और स्वराज भवन जैसी संरचनाएं शामिल हैं, इस क्षेत्र के आकर्षण को और बढ़ा देती हैं। ये इमारतें ब्रिटिश औपनिवेशिक काल की स्थापत्य भव्यता की एक आकर्षक झलक प्रदान करती हैं।

-कमलेश पांडेय-

एक और अफगानिस्तान बन सकता है सीरिया

सीरिया किसका होगा? वहां मची अफरातफरी का फायदा कौन-कौन उठाएगा? वहां की ज़मीन पर किसकी मर्जी चलेगी? ये कुछ सवाल हैं जिनका जवाब खोजने के लिए ज्ञानीजन, गुप्तचर संस्थाएं और पूरी दुनिया वहां के घटनाक्रम पर पैनी निगाहें रखे हुए हैं।इस टूटे-बिखरे देश की कुंडली में शायद यही सब लिखा है। यह देश अब स्वयं अपने लिए एक बोझ है। लेकिन सिर्फ अपना फायदा देखने वाली ताकतों के लिए यह एक जायजाद है, अपना प्रभुत्व कायम करने की जगह है। बशर अल-असद, जो सीरिया से भागकर मास्को पहुंच गए हैं, के अचानक तख्तापलट के बाद से सीरिया में कई स्थानों पर बमबारी हुई है। जाहिर है पश्चिम एशिया की इलाकाई ताकतें सीरिया में अपने हितों की रक्षा के लिए छीना-झपटी कर रही हैं। इजराइल, तुर्की और अमेरिका ने वहां हमले किये हैं और असद के पुराने दोस्त रूस और ईरान भी सीरिया के भविष्य के निर्धारण में अपनी भूमिका चाहते हैं।जाहिर है आने वाले समय में जो चुनौतियाँ इस देश के सामने होंगी, उनसे पार पाना आसान नहीं होगा।सीरिया पिछले कई दशकों से बर्बरता का शिकार रहा है। वहां के गृहयुद्ध में तीन लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सन् 2011 से अब तक करीब एक लाख लोग या तो लापता हो गए हैं या उन्हें गायब कर दिया गया है। वे अब कहां हैं ङ्क और कहीं हैं भी कि नहीं ङ्क इसका खौफनाक हिसाब-किताब अब शुरू होने वाला है। देश की करीब आधी आबादी (1.20 करोड़ लोग) अपने घर-बार छोडने़ पर मजबूर कर दिए गए। दसियों हजार बिना मुकदमों के जेलों में बंद हैं। उन्हें भीषण यातनाएं दी गई हैं। अब जेलें धीरे-धीरे खाली हो रही हैं, और गुस्से और कड़वाहट से भरे, शरीर और मन से घायल और बदले की आग में जल रहे लोगों का सैलाब पहले से ही तहस-नहस समाज में वापिस लौट रहा है। तुर्की और जोर्डन में रह रहे दसियों लाख शरणार्थी बड़ी संख्या में वापिस आ सकते हैं। यूके और अन्य यूरोपीय देशों ने भी कहा है कि असद का राज समाप्त होने के बाद वे सीरियाईयों के शरण देने के आवेदनों पर आगे की कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। आस्ट्रिया पहले से सीरियाईयों को वापिस भेजने का सिलसिला शुरू कर चुका है। मानवीय एवं सुरक्षा आपदा देश पर मंडरा रही है।इस बीच एचटीएस के प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जोलानी, जिसके अलकायदा से रिश्ते रहे हैं, और जो एक इनामी आतंकवादी से एक राष्ट्र का मुक्तिदाता बन गया हैं, ने भविष्य की अपनी योजनाओं की एक झलक पेश की है। दमिश्क की प्रसिद्ध उम्मेयाद मस्जिद में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीरिया कड़ी मेहनत से इस्लामिक देशों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बनेगा। उनके ये शब्द कान खड़े करने वाले हैं! एचटीएस द्वारा 2016 में अलकायदा से संबंध तोड़ लेने के बाद से अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नेतृत्व में इदलिब से दमिश्क तक हमलों का सिलसिला चला और इस दौरान संगठन की छवि एक मध्यमार्गी या कम कट्टर संगठन की बनाने का प्रयास किया गया। सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में अल-जोलानी ने कहा कि वे सीरिया के अल्पसंख्यकों का सम्मान करेंगे और यह भी कि किसी भी समूह को किसी अन्य समूह को नष्ट करने का अधिकार नहीं है।

अल्लेपो से आ रही शुरूआती खबरों के मुताबिक शहर पर एक हफ्ते पहले हुए एचटीएस के कब्जे के बाद से वहां के ईसाई अल्पसंख्यकों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है।मगर सवाल यह है कि जोलानी किस तरह के इस्लामिक राष्ट्र की बात कर कर रहे हैं? अमेरिका, रूस और संयुक्त राष्ट्रसंघ ङ्क सभी जोलानी को आतंकवादी और एचटीएस को आतंकी संगठन मानते हैं। इसलिए यदि सत्ता पर उनका कब्जा हो जाता है तो जटिल हालात बन जाएंगे। तुर्की और कतर से उनके नजदीकी रिश्तों से अरब देशों में नाराजगी है क्योंकि वे नहीं चाहते कि सीरिया में तुर्की और क़तर का प्रभाव बढ़े। कई जानकारों का मानना है कि जोलानी दूसरा असद बन सकते हैं और दूर तक सोचने वाले सीरिया के नागरिकों को भी यह चिंता है कि कहीं एक तानाशाह की जगह दूसरा तानाशाह न ले ले। बस फर्क सिर्फ इतना होगा कि नया तानाशाह इस्लामवादी होगा।कुल मिलाकर माहौल में बहुत घबराहट है।इंटरव्यू में जोलानी के नरम रूख से ऐसा लगता है कि सीरिया में उनके नेतृत्व में बेहतरी की ओर बदलाव हो सकता है। लेकिन शक की गुंजाईश तो है। इस्लामिक देश' का नारा बुलंद करने और अलकायदा से उसके पुराने संबंधों के चलते एचटीएस तालिबान का सीरियाई संस्करण भी बन सकता है।हालांकि फिलहाल बहुत से सीरियाई एचटीएस के झंडे तले एकत्रित हो रहे हैं।लेकिन समस्या यही नहीं है। सीरिया में कई दूसरे विद्रोही समूह भी हैं, जिनके इरादे और सरोकार बहुत अलग हैं। और वे भी आपदा में अवसर तलाश रहे हैं। सबसे कठिन काम इन समूहों से जोलानी का नेतृत्व स्वीकार करवाना होगा। खबरों के मुताबिक पिछले कई सालों में जोलानी जितना राष्ट्रपति असद के खिलाफ भिड़े, उससे ज्यादा उनकी भिडंत इन समूहों से हुई।युद्ध की शुरूआत से लेकर अब तक सीरिया में हुए घटनाक्रम के जड़ में है बर्बादी लाने वाला विदेशी हस्तक्षेप। और यह आगे के लिए भी बड़ा खतरा है। असद की सेना के भागने के कुछ ही घंटों बाद जमल अल-शाहयाक, जो हरमोन पर्वत श्रंखला की सबसे ऊंची चोटी है, पर स्थित निगरानी चौकी पर इजराइली कमांडो के एक दस्ते ने कब्जा कर लिया है। अर्दोगान, जिनके सिर पर उत्तरी सीरिया और ईराक से कुर्दों के खतरे का भूत सवार है, ने एचटीएस को हमले के लिए तब हरी झंडी दिखाई जब असद ने सीरिया के अंदर एक बफर जोन बनाने के उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब तुर्की के और ज्यादा सैनिक सीरिया में घुसकर अर्दोगान के सरोकारों के हिसाब से काम कर सकते हैं।सीरियाई एक शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की उम्मीद कर रहे हैं ताकि देश में सामान्य हालात कायम हो सकें। लेकिन यह आसान नहीं होगा। हर पात्र, हर देश अपना प्रभाव कायम करने का प्रयास करेगा। संभवतः सीरियाई अराजकता, अव्यवस्था और अशांति के घेरे में फंसे रहेंगे। एचटीएस के उभार के साथ इस क्षेत्र में वैश्विक उग्रवाद का खतरा फिर उभर सकता है। सीरिया के अंदर और बाहर इतने सारे विभाजक तत्वों और खतरों की मौजूदगी के चलते शांति और सद्भाव कायम होना बहुत मुश्किल नजर आ रहा है। सीरिया एक और अफगानिस्तान बन सकता है।

-श्रुति व्यास-

कविता
अब कुछ नहीं चाहिए

घटती-घटना

शामलाल कौशल

रोहतक हरियाणा

प्रभु की शरण में पहुंच गए हैं हम
अब दुनिया में हमें कुछ नहीं चाहिए!
जो दुनिया का तमाशा देखना था
वह सारा दिल खोल देख लिया है
अब दुनिया में हमें कुछ नहीं देखना है!
अपने बेगाने को जो परखना था हमने
ठोक बजाकर अच्छी तरह परख लिया है
अब किसी को किसी तरह परखना नहीं है हमें!
जीवन जीने का जो भी आनंद उठाना था हमने
वह आनंद हर प्रकार से उठा लिया है हमने
बस अब किसी और कोई जरूरत नहीं हमें!
गर्मी, सर्दी, बरसात, पतझड़ और बसंत जैसे
सभी मौसम जो हमने अच्छी तरह देखने थे
देख लिए हमने,अब किसी की जरूरत नहीं!
धर्म कर्म करने वालों को देखने की इच्छा थी
जब ध्यान से देखा बहुत सारे रंगे सियार थे
अब ऐसे लोगों को देखने की इच्छा नहीं हममें।
जीवन की जो हसरतें पूरी करना चाहते थे हम
वो सारी हसरतें अब तक पूरी कर ली है हमने
प्रभु की शरण में आ गये हैं, कुछ नहीं चाहिए।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजा संभाग में शीतलहर जारी : बलरामपुर में 2.9 व अंबिकापुर में 4.9 डिग्री तापमान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पिछले 5 दिनों से सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर की ओर से आ रही शुष्क हवाओं के कारण तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर महीने में पड़ रही ठंड ने पिछले 13 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले 13 वर्षों बाद अम्बिकापुर में दिसम्बर के पूर्वार्ध में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंचा है। इसके पहले 2011 में दिसम्बर के पूर्वार्ध में अम्बिकापुर में भीषण ठंड पड़ी थी। प्रदेश में सर्वाधिक ठंड बलरामपुर में पड़ रही है। शुक्रवार को यहां का तापमान गिरकर 2.9 डिग्री पहुंच गया है। वहीं इसी जिले के सामरीपाट का तापमान और नीचे गिर जाने से वहां का हाल बेहाल है। इसी तरह अंबिकापुर का तापमान 4.9 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट का ताामपन 2 डिग्री के करीब है। यहां ओस की बूंदे जमनी शुरू हो गई है। शुक्रवार की सुबह भी मैनपाट के कई इलाकों में ओस की बूंदे पौधों पर जमी दिखी।

सरगुजा संभाग में कंपकनाने वाली ठंड पिछले 5 दिनों से पड़ रही है।

पूरा संभाग शीतलहर की चपेट में है। उत्तरी दिशा से आ रही बर्फिली हवा के कारण न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अंबिकापुर में पिछले 5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 8 डिग्री की गिरावट आई है। इस तरह शुक्रवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट का तापमान 2 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां कई क्षेत्रों में सुबह-सुबह पाले जमे हुए दृश्य नजर आ रहे हैं। वहीं मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि नवंबर में विक्षोभ की अनुपस्थिति के कारण एक लंबे अरसे बाद इस वर्ष निर्वाध रूप से उत्तरी हवाओं का प्रभाव दिखा था। इससे सरगुजा में नवंबर में ही शीतलहर की स्थिति निर्मित हुई थी। लेकिन खाड़ी में हुई हलचल और उत्तर भारत मे पछुआ की सक्रियता के कारण नियमित उत्तरी शुष्क हवा के बाधित होने से न्यूनतम तापमान में उछाल आया। एक बार फिर विक्षोभों की ऊर्जा दुर्बल होने से हवाओं का प्रवेश उत्तर की ओर से होने लगा है। ऐसे में न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट ने बताया कि पिछले 13 वर्षों बाद अम्बिकापुर में दिसम्बर के पूर्वार्ध में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंच गया है। इसके पहले 2011 में दिसम्बर के पूर्वार्ध में अम्बिकापुर में भीषण ठंड पड़ी थी। 2011 में 3 से 12 दिसम्बर तक लगातार नगर का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के नीचे बना हुआ था। 2011 में दिसम्बर 4 तारिक को दैनिक न्यूनतम तापमान पिछले कम से कम 56 वर्षों में न्यूनतम रिकार्ड स्तर पर 2.4 डिग्री दर्ज किया गया था।

जिलों का यह है तापमान

सूरजपुर	4.6
बैकुंठपुर	4.9
बलरामपुर	2.9
अंबिकापुर	4.9

बलरामपुर में सर्वाधिक ठंड

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार प्रदेश में माने से बलरामपुर जिले में सबसे ज्यादा ठंड पड़ रही है। बलरामपुर का तापमान 2.9 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पूर्व शुक्रवार को यहां का तापमान 4.8 डिग्री दर्ज किया गया था। इस तरह पूरे संभाग में न्यूनतम तापमान में हर दिन गिरावट दर्ज की जा रही है।

एग्रीकल्चर कॉलेज के हॉस्टल में बीएससी के छात्र ने लगाई फांसी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के हॉस्टल में बीएससी सेकेंड ईयर के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार की सुबह उसका शव कमरे में पंखे के सहारे फंदे पर लटकता मिला। छात्र मुंगेली जिला का रहने वाला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत छात्र के परिजनों को सूचना दे दी है।

छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला अंतर्गत ग्राम डांडग़ांव निवासी विवेक अनंत पिता सतानंद 22 वर्ष राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह महाविद्यालय के हॉस्टल नंबर-2 के कमरा नंबर 36 में एक अन्य छात्र के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। रूम मेट 2 दिन से छुट्टी पर है। शुक्रवार की रात छात्र ने मेस में खाना खाया और कमरे में सोने चला गया था। शनिवार की सुबह 9 बजे तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो हॉस्टल के अन्य छात्रों ने खिड़की से झांका। भीतर का नजारा देख वे सन्न रह गए। छात्र का शव पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर झूल रहा था। हॉस्टल के छात्रों ने तत्काल दरवाजा तोड़ा और भीतर घुसे। फिर उन्होंने फंदे से छात्र का शव उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। यहां जांच पश्चात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना पर पहुंची गांधीनगर पुलिस ने शव को मरच्यूरी में रखवाकर उसके परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों की उपस्थिति में छात्र का पीएम कराया जाएगा। छात्र ने किस कारण से आत्महत्या की, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि देर रात छात्र ने फांसी लगाई होगी। वहीं कॉलेज के छात्रों का यह कहना है कि 2 दिनों से वह किसी बात को लेकर टेंशन में था। छात्र के आत्महत्या की वजह क्या थी? यह पुलस की जांच में ही पता चल पाएगा।

80 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने 80 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

13 दिसंबर को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। महुआपारा चर्च रोड के पास पुलिस को पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उसके झोले की तलाशी ली तो 80 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन के कीमत 5 हजार रुपए बताई जा रही है। वही मामले में पुलिस ने आरोपी भूषण बेक उम्र 30 वर्ष निवासी महुआपारा थाना गांधीनगर को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, आरक्षक अतुल सिंह, बृजेश राय, अरविंद उपाध्याय, मनीष सिंह, ऋषभ सिंह सक्रिय रहे।

ओबीसी महासभा ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ओबीसी महासभा ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देते हुए ओबीसी महासभा के पदाधिकारी ने बताया कि अधिकांश संभाग व जिलों में ओबीसी की जनसंख्या 27 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद भी उन्हें जनसंख्या के अनुपात में न देकर अधिकतम 27 प्रतिशत आरक्षण का सीमित प्रावधान किया गया है। जो कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी बहुसंख्यक ओबीसी समुदाय के साथ अन्याय व असंवैधानिक है। तमिलनाडु, कर्नाटक व केरल जैसे राज्यों में ओबीसी को जनसंख्या के अनुपात में 50,49 और 40 प्रतिशत तक आरक्षण लागू है। छत्तीसगढ़ में 27 प्रतिशत आरक्षण जो राज्यपाल के पास लंबित है उसको अविलंब पास कर पिछड़ा वर्ग के हित में कार्य करने की बात कही गई। ओबीसी महासभा ने चेतावनी देते हुए कहा कि ओबीसी समाज के हित में अगर विधेयक पारित नहीं होता है तो ओबीसी महासभा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष व सरगुजा संभाग के प्रभारी परशुराम सोनी के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान सुभाष साहू प्रदेश सचिव ओबीसी महासभा, आदित्य गुप्ता, सत्यनारायण वर्मा , कृष्णा सोनी, राम अवतार गुप्ता, रघुनंदन, युगल किशोर, विकास ठाकुर, राजेश इनके अलावा ओबीसी महासभा के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

युवती ने स्कूटी में लगाई आग,घटना सीसीटीवी में कैद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के घुटरापारा स्थित घर के बाहर खड़ी दो स्कूटी में अज्ञात युवती ने आग लगा दी। घटना शनिवार की अहले सुबह की है। आगजनी में एक स्कूटी पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। जबकि दूसरी स्कूटी को भी क्षति पहुंचा है। आगजनी की घटना पास के दुकान में ले सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कोतवाली पुलिस युवती की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार शहर के घुटरापारा निवासी कलिम अंसारी का सेनेटरी का दुकान है। दुकान के बाहर पास में रहने वाली युवती अनु शर्मा व एक अन्य अपनी स्कूटी को स्कूटी आए दिन खड़ा करती थी। शुक्रवार की रात को भी दुकान के बाहर दो स्कूटी खड़ी थी। शनिवार की सुबह अनु शर्मा घर के बाहर निकली तो उसकी स्कूटी जली हुई थी। वहीं पास खड़ी दूसरी स्कूटी भी आग की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गई। दुकान संचालक कलिम अंसारी ने अपने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज देखा तो सुबह करीब पांच बजे एक युवती द्वारा स्कूटी में आग लगाते दिखी। उक्त युवती मौके पर पहुंची एवं उसने अनु शर्मा के स्कूटी के पास खड़ी एक स्कूटी को पीछे किया और अनु शर्मा के स्कूटी में आग लगा दी। युवती ने आग लगाने से पहले स्कूटी पर उछल कूद करते दिखी है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवती की तलाश कर रही है।

7 ट्रक से 580 लीटर डीजल चोरी,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अमेरा खदान से शुक्रवार की रात 7 ट्रकों से डीजल चोरी का मामला सामने आया है। घटना के दौरान वाहन चालक

ट्रक में ही सो रहे थे। चालकों ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिलासपुर जिले के एक ही कंपनी के सात ट्रक 13 दिसंबर की रात को अमेरा खदान काटा घर और बूम बैरियर के पास खड़े थे। वाहन चालक व खलासी ट्रक में ही सोए थे। रात करीब 1.30 बजे कुछ बदमाशों ने मौके पर पहुंचकर सभी ट्रक से लगभग 580 लीटर डीजल चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

घटना की जानकारी ट्रक ड्राईवरों को शनिवार की सुबह हुई। चालकों ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

एनएसयूआई सरगुजा की सभी कार्यकारिणी को भंग किया गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज एनएसयूआई सरगुजा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष आशीष जायसवाल के पदभार ग्रहण के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें तीन एजेंडा पर निर्णय लिया गया बैठक में सभी को संबोधित करते हुए सरगुजा जिले के समस्त जिला, ब्लॉक ,नगर, एवं महाविद्यालय की कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया गया एवं जल्द नई कार्यकारिणी बनाने की योजना बनाई गई साथ ही आगामी दिनों में संगठन को मजबूत करने हेतु महाविद्यालय में इकाई बनाना, ब्लड डायरेक्ट्री एवं छात्रों कैसे अधिक से अधिक कैसे जुड़ सके उसके लिए कार्ययोजना बनाई गई बैठक में युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विष्णु सिंह देव ,एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु जायसवाल ,प्रिंस अभिषेक कुजूर,ऋषिकेश मिश्रा, ज्ञान तिवारी,धीरज गुप्ता, अभिषेक सोनी, संजर नवाज, अनमोल, आकाश यादव, अभिषेक गुप्ता, प्रियांशु, अतुल यादव, अंकित जायसवाल, अनमोल, कमल, देव वशिष्ठ आदि उपस्थित हुए.

शराब पीने के लिए रुपए नहीं दी तो पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पत्नी की हत्या के मामले में बतौली पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी 8 दिसंबर को शराब पीने के लिए पत्नी से रुपए मांग रहा था। नहीं देने पर डंडे व हाथ मुक्के से पत्नी के साथ मारपीट किया था। इस दौरान महिला का सिर दीवार से टकरा जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान 10 दिसंबर को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सनमुनी पति पहल राम उम्र 35 वर्ष ग्राम बिरीमकेला थाना बतौली की रहने वाली थी। सनमुनी का पति शराब पीने का आदी है। वह 8 दिसंबर को शराब पीने के लिए पत्नी से रुपए मांग रहा था। रुपए नहीं देने से नाराज होकर रात करीब 8 बजे पहल राम पत्नी के साथ डंडे व हाथ मुक्के से मारपीट करने लगा। इस दौरान महिला का सिर दीवार में टकरा गया। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान 10 दिसंबर को महिला की मौत हो गई थी। महिला की मौत के बाद सीतापुर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच के लिए डायरी बतौली पुलिस को भेजी थी। मर्ग जांच के बाद बतौली पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अमेरा खदान में खड़े 7 ट्रकों से हथियारबंद गिरोह ने डीजल की चोरी की घटना को दिया अंजाम,थाने में शिकायत

- संवाददाता -
लखनपुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात अमेरा खदान में हथियारबंद गिरोह ने कट्टे की नोक पर बलपूर्वक 7 ट्रकों से डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद से ट्रक चालक भयभीत है । शनिवार को ट्रक चालकों द्वारा लखनपुर थाने पहुंच मामले की शिकायत की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक बिलासपुर जिले के एक ही कंपनी के सात ट्रक क्रमांक सीजी 10 bh 3800, CG 10 BH 6100, CG 10 BH 6500, CG 15 Dr 9500, CG 13 Af 1507, CG 31A8130, CG 13Af 1522 वाहन 13 व 14 दिसंबर की दरमियात की रात अमेरा खदान काटा घर और बूम बैरियर के पास खड़े थे।20 से 22 की संख्या में हथियार बंद गिरोह के लोग ट्रक चालक से कट्टे की नोक पर बलपूर्वक 7 ट्रकों से रस्सा तिरपाल और डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद से ट्रक चालक भय का माहौल है।14 दिसंबर दिन शनिवार की सुबह लगभग 12 बजे लखनपुर थाना पहुंच घटना की शिकायत लखनपुर थाना प्रभारी से की है। लिफ्टरों और ट्रक चालकों के द्वारा बताया गया कि विगत 9 माह से डीजल चोरी की घटना जारी है। जिससे ट्रक मालिकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि पुलिस इन हथियार बंद गिरोह को पकड़ने में कब तक सफल हो पाती है।

राज्य के विकास की नब्ज पर साय सरकार की मजबूत पकड़

छत्तीसगढ़ के नीति निर्धारकों को दो कारकों पर विशेष ध्यान रखना पड़ता है एक तो यहां की आदिवासी बहुल आबादी और दूसरी यहां की कृषि प्रधान अर्थव्यस्था। राज्य की नीतियां तय करते समय इन दोनों की अनदेखी नहीं की जा सकती, दोनों को ही बराबर महत्व देना पड़ता है। हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सहित देश में माओवादी आतंक के खात्मे के प्रति केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। केन्द्र के इस फैसले ने राज्य को समृद्धि के रास्ते में आगे जाने के संकल्प को और मजबूती दी है।

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही यहां मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर काम करना शुरू कर दिया है। लगभग तीन करोड़ की आबादी वाला यह राज्य आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे रहा है। साय सरकार ने छत्तीसगढ़ की बागडोर संभालते ही राज्य के विकास की दिशा को तय करने वाले दो प्रमुख कारकों आदिवासी समुदाय और किसान दोनों पर शुरू से ही ध्यान दिया है। राज्य में लोगों को स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन के वायदे को लेकर आयी साय सरकार आई.टी. और ए.आई आधारित प्रणाली को पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनाना शुरू कर दिया है।

राज्य में कृषक उन्नति योजना खेती-किसानी के लिए एक नया संबल बनी है। इसके चलते कृषि समृद्ध और किसान खुशहाल हुए हैं। राज्य में खेती-किसानी को नई ऊर्जा मिली है। राज्य में उन्नत खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार के किसान हितैषी फसलों का असर अब खेती-किसानी में साफ दिखाई देने लगा है। उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग खेती-किसानी में बढ़ा है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से 145 लाख मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है, जिसके एवज में 32 हजार करोड़ रूपए भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प के अनुरूप राज्य के किसानों को दो साल के धान की बकाया बोनस राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान किया। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों को धान की मूल्य की अंतर राशि के रूप में 13 हजार 320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। इस तरह किसानों को कुल मिलाकर 49 हजार करोड़ रूपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित किए गए।

औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा

औद्योगिक विकास नीति 2024-2030

प्रदेश की नई औद्योगिक नीति 1 नवंबर 2024 से लागू हो गई है, जो 31 मार्च 2030 तक प्रभावशील रहेगी। राज्य के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए राज्य में औद्योगिक नीतियों की परिकल्पना राज्य गठन के उपरान्त लगातार की जा रही है। छत्तीसगढ़ में अब तक पांच औद्योगिक नीतियां क्रमशः - 2001, 2004-09, 2009-14, 2019-24 प्रवाशील रही एवं अब नई औद्योगिक नीति 2024 लागू की गई है। उपरोक्त औद्योगिक नीति को लागू किये जाने के साथ ही इन नीतियों में तत्कालीन आवश्यकताओं को तथा औद्योगिक विकास के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नीतियों में यथा आवश्यकता विभिन्न प्रकार के औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन यथा- ब्याज अनुदान, राज्य लागत पूंजी अनुदान, (अधोसंरचना लागत पूंजी अनुदान), स्टाम्प शुल्क छूट, विद्युत शुल्क छूट, प्रवेश कर छूट, मूल्य संवर्धित कर प्रतिपूर्ति, मंडी शुल्क छूट, परियोजना लागत पूंजी अनुदान इत्यादि प्रदान की जाती रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि हमने इस नई नीति को रोजगार परक और विजन-2047 के अनुरूप विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। हमारा राज्य देश के मध्य में स्थित है, आने वाले वर्षो में हम अपनी भौगोलिक स्थिति आवागमन के आधुनिक साधनों और आप सबकी भागीदारी से प्रदेश को ''हेल्थ हब'' बनाने मे सफल होंगे। जगदलपुर के नजदीक हम लगभग 118 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण प्रारभ करने जा रहे है।

प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन का कहना है कि निश्चित तौर पर हमारी सरकार की मंशा है कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योग कैसे स्थापित हो इसे ध्यान में रखकर यह उद्योग नीति तैयार की गई है। हमने पहली बार इस नीति के माध्यम से राज्य में पर्यटन एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं में निवेश को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। हाल ही में आयोजित केबिनेट बैठक में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है।

आदिवासियों का विकास छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय सरकार ने आदिवासी समुदाय की विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुददों को वरीयता दी है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में समग्र विकास का स्वप्न साकार हो रहा है। प्रदेश के दूरस्थ इलाकों में जिस तरह स्वास्थ्य, सड़क, संचार और सुरक्षा नेटवर्क को मजबूती दी जा रही है, उसका सर्वाधिक लाभ आदिवासी वर्ग को मिल रहा है। इससे जहां आदिवासी समाज के जीवन स्तर में गुणवत्ता का संचार हो रहा है, वहीं सुशासन की इस बयार से प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद की समस्या को परास्त करने में भी मदद मिल रही है। इन इलाको में केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पी.एम.जनमन योजना और राज्य सरकार की नियद नेल्ला नार योजना गेम चेंजर साबित हो रही है।

संवाद 42449/39

मातृ शक्ति को सशक्त कर रही है साय सरकार

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। सरकार महिलाओं के सिर्फ विकास की ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण की सरकार बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास का जिम्मा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को सौंपा है। जिसे श्रीमती राजवाड़े बखूबी निभा रही हैं।

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से, जब लाखों महिलाओं को आर्थिक सहायता और आत्मनिर्भरता का सहारा मिला, तो यह केवल एक वित्तीय मदद नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकार, आत्मविश्वास और उनकी शक्ति को पहचानने का एक मार्ग है। मार्च 2024 से दिसम्बर 2024 तक, 70 लाख महिलाओं के खाते में 6530.41 करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई जा चुकी है। यह योजना अब सिर्फ एक राज्य की योजना नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुकी है, जहां महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने घर-परिवार में भी निर्णय लेने में बराबरी का हक महसूस कर रही हैं।

प्रदेश के 31 जिलों में 201 पालना केंद्रों की स्थापना से कामकाजी महिलाओं को अपने बच्चों की देखभाल का सशक्त समाधान मिला है। ये केंद्र केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर बच्चे के अधिकार की रक्षा का एक माध्यम हैं। बालकों के भविष्य को मजबूत करने के लिए, डबल इंजन सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।

छत्तीसगढ़ के बच्चों को पोषण, शिक्षा और समुचित देखभाल देने के लिए 4750 आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाया गया है। इनमें बच्चों को न केवल पोषण दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें BALA (Building as Learning Aid) के माध्यम से शिक्षा और कौशल के अवसर भी मिल रहे हैं। एलईडी टीवी और पोषण वाटिका जैसी सुविधाएं बच्चों और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध वातावरण बना रही हैं। 530 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति पिछले 10 माह में की गई और 4900 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को मुख्य आंगनबाड़ी केंद्रों में उन्नत किया गया, जिससे वहां अतिरिक्त व्यवस्थाओं का विस्तार हुआ। लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व और विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी अधोसंरचना से संबंधित डैः पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल के बन जाने से आंगनबाड़ी केन्द्रों की अधोसंरचना संबंधी सभी जानकारी जैसे बिजली, पेयजल, शौचालय, निर्माण संबंधी नियोजन, कार्य की प्रगति का अनुश्रवण आदि मुख्य आधारभूत जानकारी राज्य स्तर पर एक क्लिक पर उपलब्ध है।

कुपोषण पर प्रहार करते हुए सरकार ने पोषण ट्रैकर ऐप रखी नजर

छत्तीसगढ़ में कुपोषण पर प्रहार करते हुए सरकार ने पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से 0 से 5 वर्ष के बच्चों के स्वास्थ्य पर नजर रखी और कुपोषण की दर में ऐतिहासिक गिरावट हासिल की। एक नेतृत्व तब सशक्त होता है, कमजोर वर्ग के बारे में सोचता है और उनके जीवन में वास्तविक बदलाव लाता है। बच्चों और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) और महिला हेल्पलाइन (181) का संचालन 24/7 हो रहा है। साथ ही, हर जिले में वन स्टॉप सेंटर्स का विस्तार कर एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क तैयार किया गया है, जो हर संकट में नागरिकों के लिए एक आश्रय बन कर खड़ा है। यह सुरक्षा केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और साहस का प्रतीक है।

भारत सरकार की मिशन शक्ति योजना के तहत राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) की स्थापना की गई है, जो महिलाओं के लिए समर्पित योजनाओं में प्रभावी समन्वय और कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत, अब 50 हजार रुपये में से 35 हजार रुपये सीधे वधु के खाते में भेजे जाते हैं, और शेष 15 हजार रुपये सामूहिक विवाह आयोजन पर खर्च होते हैं। इस साल अब तक 6543 कन्या विवाह सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं। वहीं, पी.एम. जनमन योजना के तहत 17 जिलों में 48 हजार पिछड़ी जनजाति परिवारों का सर्वे किया गया। इस पहल के अंतर्गत 70 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन हो रहा है, 54 भवन निर्माणाधीन हैं और 2024-25 में 95 और केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। नियद नेल्लानार योजना के तहत बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और कांकेर जिलों में 132 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। बालक कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के अंतर्गत राज्य के 33 जिलों में अध्यक्ष, सदस्य और सामाजिक सदस्य पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन और साक्षात्कार प्रक्रिया चल रही है, जिससे बच्चों और किशोरों की भलाई और सुरक्षा के लिए एक मजबूत संरचना तैयार हो रही है।

बाल विवाह मुक्त

डबल इंजन सरकार ने 27 नवंबर 2024 से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरुआत की है। यह सिर्फ एक कानून का कार्यान्वयन नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलने का अभियान है। हर गांव और कस्बे में बाल विवाह के खिलाफ जनजागरूकता फैलाते हुए, सरकार द्वारा ने एक आदर्श स्थापित किया है। विष्णु के सुशासन के एक वर्ष में छत्तीसगढ़ में नया आत्मविश्वास, एक नया विश्वास और एक नई दिशा दिखती है। मुख्यमंत्री श्री साय की नीतियों और योजनाओं ने छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री अमित शाह
माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार

क्या सच में सीएमओ ने मनोनीत पांच पार्षदों को नहीं बुलाया, क्या सीएमओ ने मनोनीत पार्षदों को किया अनदेखा ?

शपथ ग्रहण से दूरी बनाने वाले मनोनीत भाजपा समर्थक पार्षदों का बयान,शपथ ग्रहण में हमे सीएमओ ने नहीं बुलाया:सूत्र

यदि सीएमओ ने अनदेखा किया तब तो सीएमओ की गलती है यदि सीएमओ ने बुलाया मनोनीत पार्षद नहीं गए उनकी गलती है

सभी मनोनीत पार्षदों को आमंत्रण भेजा गया यह कहना है सीएमओ का

यदि आमंत्रण भेजा गया और भाजपाई मनोनीत पार्षद नहीं पहुंचे तो क्या पार्टी अनुशासन हीनता की कार्यवाही करेगी ?

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता भी हुए थे शामिल,क्या उन्हें नहीं पता था कि मनोनीत पार्षदों को नहीं मिला है आमंत्रण

घटती घटना

पटना नगर पंचायत के मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित पार्षदों ने नहीं ग्रहण किया शपथ

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/पटना,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना का गठन और गठन का विरोध कब तक जारी रहने वाला है यह तो अब नहीं कहा सकता लेकिन नए नवेले नगर पंचायत के प्रथम अध्यक्ष उपाध्यक्ष और पार्षद का जिन्हें दर्जा मिलने वाला था उन्होंने इस दर्जे को लेने से स्वीकारने से इंकार कर दिया और इंकार और बहिष्कार की रणनीति तो सभी ने सामूहिक बनाई लेकिन जब आलोचना हुई और जब बात का बतंगड़ बना तब अब अलग-अलग बात कहकर सफाई देने का सिलसिला जारी है जो सूत्रों के द्वारा बताई जा रही बात है। 13 दिसंबर को प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष और मनोनीत पांच पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह विधि विधान से आयोजित था और बकायदा कार्ड छपवाया गया था लेकिन कार्ड में बाबू से नए नए सीएमओ मनोनीत हुए सीएमओ साहब से भी गलती ही हुई कि उन्होंने कुछ त्रुटियां कार्ड में की कुछ उन्होंने व्यवहारिक की और शपथ ग्रहण में खुद की स्वेक्षा से न आने वाले और एक तरह से उसका बहिष्कार करने वाले मनोनीत सभी ने पूरा जिम्मा सीएमओ पर डाल दिया और उन्हें दोषी बता दिया। वैसे जबसे सीएमओ के पद पर बाबुओं को जिम्मेदारी मिल रही है तबसे यह देखा जा रहा है कि गतिरोध बढ़ रहा है और बाबू से सीएमओ बने सीएमओ साहबगिरी झाड़ने के चक्कर में सभी को नाराज करते जा रहे है जबकि यह ऐसा कार्यक्षेत्र है जहां सामंजस्य से ही काम सभी संभव हो सकते हैं। खैर बात पटना नगर पंचायत के शपथ ग्रहण से जुड़ी है और जहां अध्यक्ष जो वर्तमान सरपंच थीं उन्हें ही शासन ने मनोनीत किया है उपाध्यक्ष पांच पार्षदों सभी का मनोनयन शासन से ही हुआ है में से अध्यक्ष नगर पंचायत के गठन के विरोध में हैं और वह पूरी तरह इस प्रयास में लगी हुई हैं कि नगर पंचायत से पुनः पटना ग्राम पंचायत घोषित हो जाए और उन्होंने बकायदा इसके लिए माननीय उच्च न्यायालय में भी अपने शुभचिंतकों के माध्यम से अर्जी दी हुई है नगर पंचायत के पक्ष में उपसरपंच मनोनीत उपाध्यक्ष भी नहीं हैं वहीं कुछ मनोनीत पार्षद जो सरपंच के खास हैं और भाजपाई हैं वह भी नहीं हैं और जिसकी ही परिणीति देखी गई और शपथ ग्रहण में कोई शपथ लेने नहीं पहुंचा।

नव मनोनीत नगर पंचायत अध्यक्ष ने इस पूरे मामले में बनाई दूरी

पूरे मामले से जो भाजपाई मनोनीत पार्षदों ने बनाया है माहौल कार्ड में अपना नाम न होने को लेकर से मनोनीत अध्यक्ष ने दूरी बना ली है। वह कुल मिलाकर पटना को ग्राम पंचायत बनाए रखना चाहती हैं और इस कार्य मनोनीत भाजपा पार्षद उनके सहयोगी हैं और इस कारण वह मौन हैं।

एक भाजपा समर्थक पंच ने कहा सीएमओ की अपनी चल रही मनमानी,जल्द आ सकते है दूसरे सीएमओ

एक पंच ने कहा जो भाजपा नेता है कि सीएमओ की अपनी चल रही है नगर पंचायत में और अब जल्द उन्हें बदलने की तैयारी है। उनका कहना है कि चरचा से शशि नाम के किसी को वह सीएमओ बनवाकर बुलाएंगे और अपनी सरकार में वह अपने पार्टी वाले सीएमओ को ही कार्यभार दिलवाएंगे।

भाजपाई मनोनीत पार्षद पहुंचेंगे यह सोचकर भाजपा नेता पहुंचे पर मनोनीत पार्षद नहीं आए...

वैसे भाजपाई मनोनीत पार्षद पहुंचेंगे यह सोचकर भाजपा नेता सभी पहुंचे और एक तरह से उन्होंने पार्टी और अपनी पार्टी की सरकार के निर्णय का समर्थन किया लेकिन जब मनोनीत पार्षद नहीं पहुंचे तब भाजपा नेता भी निराश और अचंभित हुए और उन्होंने भी कार्यकम में केवल उपस्थिति प्रदान कर रवानगी ले ली। वैसे भाजपाई पार्षदों को जब पता चला कि शपथ ग्रहण में नहीं जाना पार्टी के नीति रीति का ही विरोध करना माना जाएगा तब उन्हें होश आया और अब वह नई नई बातें करते सुने जा रहे हैं जिसमें वह यह भी कह रहे हैं कि उन्हें कार्ड ही नहीं मिला और उनका शपथ होगा यह उन्हें सुचित नहीं किया गया। वैसे इस संदर्भ में सीएमओ पटना का कहना है कि सभी मनोनीत पार्षदों को भी आमंत्रण कार्ड भिजवाया गया था और वह क्यों नहीं आए यह उन्हें नहीं पता। वैसे सीएमओ का कार्ड में पार्षदों का शपथ ग्रहण है ऐसा उल्लेख नहीं कराना एक त्रुटि जरूर है लेकिन यदि वह त्रुटि थी तो उसे समय रहते भाजपा के मनोनीत पार्षद बात करके सुधरवा सकते थे जिसके लिए किसी ने प्रयास नहीं किया यह बताया जा रहा है स्पष्ट है। कुल मिलाकर सभी ने मनोनीत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों ने एकराय होकर ऐसा निर्णय लिया और कार्यक्रम का बहिष्कार किया वहीं इस बहिष्कार से उन्हें किसी ने नहीं रोका खुद बड़े वरिष्ठ भाजपाई नेताओं ने भी नहीं यह भी देखा गया।

सरकार के निर्देश को आदेश को मानने की बजाए उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं ?

कुल मिलाकर पटना में भाजपा के भीतर अनुशासन की कमी साफ नजर आई और नियंत्रण अपने ही पदाधिकारियों सहित सदस्यों पर नहीं है यह मानना सही है। अब तरह तरह के बहाने करने वाले मनोनीत पार्षद यदि बड़े नेताओं के साथ मिलकर सीएमओ से बात करते शायद ही गतिरोध रहता है और बाबू से सीएमओ बने सीएमओ साहब की भी ज्ञान इन्द्रियां खुलती और मामले में बेहतर निष्कर्ष सामने होता। वैसे मनोनीत पार्षदों में से एक को बड़ी हड़बड़ी है अध्यक्ष बनने की कुछ को पुनः पार्षद बनने की लेकिन क्या अब पार्टी ऐसे लोगों पर विश्वास जताएगी जो पहले ही पार्टी और पार्टी की सरकार के निर्देश को आदेश को मानने की बजाए उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं उसकी अवहेलना कर रहे हैं?

खबर प्रकाशन के बाद नवगठित पार्षदों ने सीएमओ के द्वारा आमंत्रण नहीं दिए जाने का लगाया आरोप

खबर प्रकाशन के बाद और अपनी ही पार्टी की सरकार और शासन के आदेश की कार्यक्रम की अवहेलना करने वाले मनोनीत पार्षदों ने अब नया पैंतरा अपने बचाव के लिए खेला है। उनका कहना है कि उन्हें आमंत्रण नहीं मिला। अब उन्हें आमंत्रण बकायदा भेजा गया यह सीएमओ का कहना है तो अब झूठ सच की जांच तो सम्भव नहीं है लेकिन वह विरोध दर्ज कर सकते थे और अपनी पार्टी की सरकार रहते हुए उनकी नाराजगी जरूर हल होती यह तय था इसलिए उनका सीएमओ पर ठीकरा फोड़ना गलत है।उन्होंने पार्टी की सरकार के निर्देश आदेश कार्यक्रम को असफल करने का प्रयास किया यही सत्य है।

भाजपा समर्थित पंच जिन्हें किया गया था पार्षद मनोनीत, अपनी लाज बचाने सीएमओ पर फोड़ रहे ठीकरा ?

भाजपा नेता साथ ही ग्राम पंचायत के दौरान पंच रहे वर्तमान में मनोनीत पार्षदों का खबर प्रकाशन के बाद हाल बेहाल है। नियम से उन्होंने पार्टी के हित में कार्य नहीं किया पार्टी के निर्णय के विरुद्ध कार्य किया यही सभी का मत होगा जो भी राजनीति की समझ रखेगा।सीएमओ ने नहीं बुलाया और यदि उनकी अनदेखी उन्हें समझ में आई तो उन्हें तत्काल अपने वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराना था और वरिष्ठ को निर्वाचित विधायक सहित संगठन के अन्य वरिष्ठ तक बात पहुचानी थी और जरूर समाधान निकलता हो सकता था सीएमओ को फटकार भी मिलती लेकिन तब उन्होंने नगर पंचायत गठन के विरोध के कारण शपथ ग्रहण का विरोध किया और एक तरह से पार्टी के निर्देश आदेश को अनदेखा किया वहीं जब खबर प्रकाशित हुआ और उनकी गलती पार्टी तक पहुंच जाएगी उन्हें आभास हुआ वह पूरा ठीकरा अब सीएमओ पर फोड़ रहे हैं।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाए गए छायाचित्र प्रदर्शनी से शासकीय योजनाओं की लोगों को मिली जानकारी

-संवाददाता-
कोरबा 14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व एवं राज्य सरकार के 01 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल'' की थीम पर जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा सीएसईबी फुटबॉल मैदान में छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत जिले में पिछले एक वर्ष में हुए महत्वपूर्ण कार्य एवं जिले की उपलब्धियों को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आमजनों को महतारी वंदन योजना, जल जीवन मिशन अंतर्गत लगे नल, पहाड़ी कोरवाओं के युवा बेरोजगारों को नौकरी मिलने के बाद हुए सकारात्मक परिवर्तन एवं अन्य योजनाओं के लाभ से जीवन में आए बदलाव को बताया गया। साथ ही शिविर में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित सुशासन के नवीन आयाम विकास पथ पर अग्रसर छत्तीसगढ़, उदित छत्तीसगढ़ सशक्त नेतृत्व से प्रगति का स्वर्णिम युग, मासिक पत्रिका जनमन, रोजगार और नियोजन सहित अन्य ब्रोसर, पाम्पलेट व पत्रिकाओं का वितरण भी किया गया।

पिकअप वाहन एवं डीजल टैंकर के बीच भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौत,4 घायल

-संवाददाता-
कोरबा,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले कटघोरा क्षेत्र मे शनिवार सुबह टैंकर और पिकअप के बीच हुई भिड़त मे एक व्यक्ति की मौत हो गई वही तीन लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह लगभग 7 बजे कटघोरा अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 के बाँगों थाना के मोरगा चौकी अंतर्गत तारा घाट में हुई जहाँ पिकअप वाहन एवं डीजल टैंकर में भीषण टक्कर हो गई, जिसमें सवार चार व्यक्तियों को गंभीर चोट आई। वहीं पिकअप वाहन चालक विमलेश चौधरी पिता दिनेश चौधरी उम्र 25 वर्ष निवासी बक्सर जिला बिहार थाना धनसुई पिकअप वाहन के स्टेयरिंग में फंसने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी सूचना पर डायल 112 के जवानों ने कड़ी मशक्कत कर फँसे व्यक्ति को गाड़ी से बाहर निकला एवं घायलों को डायल 112 व मौके पर मौजूद संजीवनी 108 एवं हाईवे एंबुलेंस 1033 की मदद से उपचार हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, इसके साथ ही पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

11 से 20 दिसंबर तक प्लेसमेंट कैम्प का किया जाएगा आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर 14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र सूरजपुर के द्वारा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाना है। जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजक एस.आई.एस. सेक्योर्टी एण्ड इन्टेलीजेन्स सर्विसज (इस्टर्न इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र सिंगरौली के द्वारा सुरक्षा जवान के 150 पद पर 10 वीं पास पर भर्ती किया जाना है। प्लेसमेंट कैंप का आयोजन जनपद पंचायत सूरजपुर में 11 दिसंबर, जनपद पंचायत ओड़गी में 12 दिसंबर, शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में 13 दिसंबर, जनपद पंचायत भैयाथान 16 दिसंबर, जनपद पंचायत प्रतापपुर में 17 दिसंबर, जनपद पंचायत प्रेमनगर में 19 दिसंबर एवं जनपद पंचायत रामानुजनगर में 19 दिसंबर को 11:00 बजे से 03:00 बजे तक किया जाना है। प्लेसमेंट कैम्प से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र सूरजपुर में संपर्क कर सकते है।

ठंड ने ली मजदूर की जान,प्रशासन की लापरवाही पर सवाल

देश में हर साल होने वाली 7 लाख 40 हजार मौतों की वजह तापमान है। ये मौतें या तो अधिक गर्म तापमान के कारण हो रही हैं या इसकी वजह ठंडा तापमान है। रिसर्च करने वाली ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि दुनियाभर में हर साल 50 लाख से अधिक अतिरिक्त मौतों की वजह घटता-बढ़ता तापमान है जबकि लैंसेट जर्नल की रिपोर्ट कहती है कि ठंडे तापमान के कारण भारत में हर साल 6,55,400 मौते होती हैं वहीं गर्मी के कारण 83,700 लोग दम तोड़ देते हैं।

-बागी कलम-
अनूपपुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के पास बीती रात एक गरीब मजदूर की ठंड से तड़पकर मौत हो गई। मृतक की पहचान मुल्ला नामक व्यक्ति के रूप में हुई है, जो बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए सवारी की व्यवस्था कर अपनी रोजी-रोटी चलाता था। वह रात में दीनदयाल अंत्योदय रसोई केंद्र प्रतीक्षालय में सो रहा था, जहां कड़ाके की ठंड ने उसकी जान ले ली। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और नगर पालिका परिषद अनूपपुर पर लापरवाही का आरोप लगाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से रैन बसेरों का संचालन केवल कागजों पर हो रहा है। ठंड से बचाव के लिए बनाई गई सुविधाएं जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

शोपीस बनकर रह गया रैन बसेरा

घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि ठंड के कारण हुई इस मौत के कई घंटे बाद भी न तो नगर पालिका का कोई प्रतिनिधि आया और न ही प्रशासन का कोई अधिकारी। गुस्साए स्थानीय नागरिकों ने रैन बसेरों की बदहाल स्थिति और प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि जिला मुख्यालय में रैन बसेरे केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। प्रशासन द्वारा न तो इनका सही प्रचार किया जा रहा है और न ही इनकी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों पर भी उठे सवाल

लोगों का कहना है कि यह घटना केवल प्रशासन की लापरवाही नहीं बल्कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का भी उदाहरण है। उन्होंने मांग की कि रैन बसेरों की स्थिति सुधारी जाए और जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं। इस दर्दनाक घटना ने शहरवासियों के बीच ठंड से सुरक्षा के इंतजामों को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। अब देखना यह है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी और नगर पालिका इस मामले पर क्या कदम उठाते हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै पुराना नाम खुखुरानी(KHUKHU RANI) पिता/पति कालीदास गोलदार (KALIDAS GOLDAR) अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम खुखूरानी गोलदार (KHUKHU RANI GOLDAR) पति कालीदास गोलदार (KALIDAS GOLDAR) निवासी/ House No.41 Gram Subhashnagar, Post Chandannagar,VIL.Subhashnagar, Pos-Tatapani Dis.-Balrampur (C.G) रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अद्‌र्शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम सुखूरानी गोलदार (KHUKHU RANI GOLDAR) पति कालीदास गोलदार (KALIDAS GOLDAR) से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथकर्ता
नाम- खुखूरानी गोलदार
KHUKHU RANI GOLDAR) नाम पति कालीदास गोलदार (KALIDAS GOLDAR) निवासी/ House No.41 Gram Subhashnagar, Post Chandannagar, VIL. Subhashnagar,Pos-Tatapani Dis.-Balrampur (C.G)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0

क्र. 770 राजस्व प्रकरण क्र./ब 121 /2024/ 11.12.2024

ईश्तहार

आवेदक का नाम सुरेन्द्र राजवाड़े आ0 स्व हलेश्वर जाति राजवार निवासी ग्राम कैलाशपुर प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने दादी रजमेत राजवाड़े मृत्यु दिनांक 14/12/2019 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23/12/2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्‌नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/11/2024 को जारी किया जाता है।

(सील) तहसीलदार सूरजपुर

असफाक उल्लाह के मामले में पुलिस अलग-अलग शिकायत पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करने से क्यों बचना चाह रही है?

शिकायतकर्ता उठा रहे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल,अपनी अपनी शिकायतों पर वह चाह रहे हैं अलग-अलग एफआईआर

क्या पुलिस कम प्राथमिकी दर्ज कर असफाक को बड़ी सजा से बचाने के फिराक में लगी है?

शिकायतकर्ताओं के अधिवक्ता भी पुलिस की प्राथमिकी दर्ज करने में की जा रही हिला हवाली को ठहरा रहे गलत

शिकायकर्ता अब उच्च अधिकारियों से कर सकते हैं स्थानीय पुलिस की शिकायत,कर सकते हैं न्यायोचित कार्यवाही की मांग

शिकायत 101, अपराध दर्ज कुल 3, क्या पुलिस असफाक से कर चुकी है सेटिंग, उत्पन्न हो रहा संदेह

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर 14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

असफाक उल्लाह सदी का महाठग अब जेल की सलाखों के पीछे है पुलिस रिमांड खत्म होते ही पुलिस ने उसे जेल दाखिल कर दिया,वहीं अब इस बड़ी ठगी मामले में नई बात शिकायकर्ता सामने ला रहे हैं और पुलिस जो पूरे मामले में विवेचना कर रही है जांच कर कार्यवाही का जिनका जिम्मा उनपर असफाक को किसी भी तरह से बचाने का आरोप लगा रही है। शिकायतकर्ताओं के अधिवक्ताओं का भी यही मानना है कि पुलिस मामले में कुल शिकायतों के हिसाब से प्राथमिकी दर्ज करने से बच रही है और कुल तीन शिकायतों को ही वह प्राथमिकता देकर उनपर प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है शेष अन्य सैकड़ों शिकायतों को वह केवल पूर्व दर्ज तीन प्राथमिकी के साथ जांच में शामिल कर रही है, उनपर वह प्राथमिकी अलग से दर्ज नहीं कर रही है। ऐसा करके पुलिस कहीं न कहीं प्राथमिकियों की संख्या घटा रही है,जिसका फायदा असफाक को न्यायालय में मिलेगा और वह बच निकलने में कामयाब होगा। अशफाक से ठगी का शिकार हुए लोग अब अधिवक्ताओं से सलाह ले रहे हैं और अधिवक्ताओं का उनसे यही कहना है कि सभी शिकायतों पर पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए जैसे पुलिस ने तीन शिकायतों पर दर्ज की है वरना बाद में यही सिद्ध हो जाएगा कि कुल तीन ही प्राथमिकी दर्ज थीं और वह कम सज़ा के साथ अंत में बरी हो जायेगा। वैसे यह शिकायतकर्ताओं के द्वारा बताया जा रहा है और इस संदर्भ में दैनिक घटती घटना ने कोई कानूनी जानकारी नहीं जुटाई है शिकयकर्ताओं की ही शिकायत का इसमें उल्लेख है। शिकायतकर्ताओं और उनके अधिवक्ताओं की बात पर गौर किया जाए तो यह सही भी लगता है कि सभी शिकायतों पर अलग अलग प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं कर रही पुलिस क्यों पुलिस इससे बचना चाह रही है जबकि शिकायतों की संख्या सैकड़ों है,क्या शिकायतकर्ताओं और उनके अधिवक्ताओं की आशंका सही है?

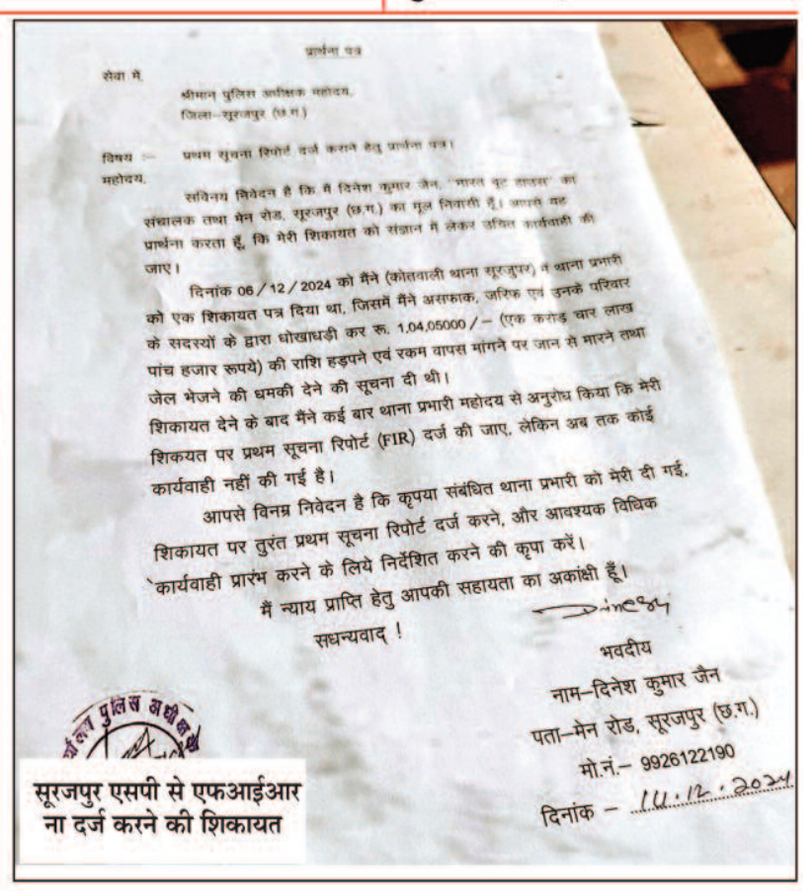

शिकायतकर्ता का कहना

शिकायतकर्ता का कहना है की हमारी घटना अलग हैं और दूसरों कि घटना अलग हैं। हम उसमें कोई गवाह थोड़ी ना है? जों हमारें आवेदन की दूसरों के एफआईआर में अटैच कर रहें हैं। में हम सबकी एक अलग-अलग घटना है तो इसमें केश भी अलग-अलग ही होना चाहिए। हमारें केश को दूसरों के एफआईआर में अटैच करनें का कोई प्रावधान नहीं हैं। ये कानून के विरुद्ध हैं। धीर चिंतन का विषय यह भी है की यदी एक ही केश बना कर और बाकी 101 लोगों का आवेदन लेकर इसकों दूसरों के एफआईआर में जोड़ देगें तों हम सभी लोगों को ग्वाही के रूप में कर दिए तों अधिक्तम असफाक व जरिफ को कितनी सजा होगी 3 साल कि बस। यहाँ घटना कोई एक तो है नहीं, 101 घटना थानें में थाना प्रभारी को लोगों नें दर्ज कराई है, जिसकों थाना प्रभारी में एक ही केश बनाकर 101 से लोगों को ग्वाही के रूप में कर दिए है, इसे अधिक्तम असफाक, जरिफ वह उनके परिवार जनों को कितनी सजा होगी 3 साल कि वस। यहाँ सभी लोगों को अलग-अलग तरह से ठगा है तो सबका अलग- अलग केश होना चाहिए। अभी तक असफाक, जरिफ तथा उनके परिवार के लोग जैसें-शारुख खान, रजिया, माहिनूर , नूरजहान, आशिया बेगम, रहमत उल्ला में सभी पुलिस कि गिरफत से बाहर है। क्यों इनकी पकड़ने में गिरफतारी नहीं कि जाएगी क्याँ हमें न्याय नहीं मिलेगा?

प्रार्थना पत्र

सेवा में,
श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

विषय :– प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं दिनेश कुमार जैन, "भारत बूट हाउस" का संचालक तथा मेन रोड, सूरजपुर (छ.ग.) का मूल निवासी हूँ। आपसे यह प्रार्थना करता हूँ, कि मेरी शिकायत को संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही की जाए।

दिनांक 06/12/2024 को मैंने (कोतवाली थाना सूरजपुर) में थाना प्रभारी को एक शिकायत पत्र दिया था, जिसमें मैंने असफाक, जरिफ एवं उनके परिवार के सदस्यों के द्वारा धोखाधड़ी कर रू. 1,04,05000/– (एक करोड़ चार लाख पांच हजार रूपये) की राशि हड़पने एवं रकम वापस मांगने पर जान से मारने तथा जेल भेजने की धमकी देने की सूचना दी थी।

शिकायत देने के बाद मैंने कई बार थाना प्रभारी महोदय से अनुरोध किया कि मेरी शिकयत पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज की जाए, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया संबंधित थाना प्रभारी को मेरी दी गई शिकायत पर तुरंत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने, और आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रारंभ करने के लिये निर्देशित करने की कृपा करें।

मैं न्याय प्राप्ति हेतु आपकी सहायता का अकांक्षी हूँ।

सधन्यवाद !

भवदीय
नाम–दिनेश कुमार जैन
पता–मेन रोड, सूरजपुर (छ.ग.)
मो.नं.– 9926122190
दिनांक – 14.12.2024

सूरजपुर एसपी से एफआईआर ना दर्ज करने की शिकायत

शिकायतकर्ता अब अधिवक्ताओं के माध्यम से उच्च अधिकारियों को करेंगे शिकायत

असफाक उल्लाह के मामले में अब शिकायतकर्ता पुलिस की शिकायत अधिवक्ताओं के माध्यम से उच्च अधिकारियों को करेंगे। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पुलिस सभी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रही है जो उनके कानूनी अधिकार से उन्हें वंचित किए जाने का प्रयास है। जिस तरह एक प्राथमिकी दर्ज हुई दो हुई तीन हुई वैसे ही सभी शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज होने थी लेकिन ऐसा न करके पुलिस तीन के साथ ही अन्य को अटैच कर जांच कर रही है। शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज होने से असफाक की सजा बढ़ती और उसे उसकी करनी की सजा मिलती लेकिन पुलिस असफाक को पता नहीं क्यों बचाना चाहती है प्राथमिकी कम दर्ज करके क्यों उसे एक तरह से बचाव का मौका दे रही है यह शिकायतकर्ताओं का कहना है और वह इसके विरोध में पुलिस की शिकायत उच्च अधिकारियों को करेंगे।

101 शिकायत के विरुद्ध पहले दर्ज 3 शिकायतों पर ही प्राथमिकी केवल दर्ज

शिकायतकर्ताओं के अनुसार पुलिस ने कुल तीन प्राथमिकी दर्ज की है जबकि ठगी की कुल 101 शिकायत पुलिस के पास मौजूद है।पुलिस की मंशा पर शिकायकर्ता ठगी के शिकार लोग सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं हो रही है यह उनका कानूनी अधिकार है। वैसे ऐसा न करके पुलिस उनका कानूनी अधिकार छीन रही है यह ठगी के शिकार लोगों का कहना है।

आश्वासन के सहारे हैं पीड़ित,उनका पैसा मिलेगा जब वह कानूनी जटिलताएं दूर कर लौटेगा लेकिन यह भी उसी तरह का आश्वासन है...

अशफाक उल्लाह ने 200 करोड़ से ज्यादा की ठगी की है वहीं अभी तक सभी शिकायतकर्ता शिकायत करने नहीं पहुंचे हैं और कुछ अभी भी इस आश्वासन के सहारे हैं कि उन्हें उनका पैसा मिलेगा जब वह कानूनी जटिलताएं दूर कर लौटेगा लेकिन यह भी उसी तरह का आश्वासन है,जो पैसा दुगुना करने का उसने दिया था। अशफाक और उसके पिता ने एक राय होकर जो अरबों की ठगी की उससे मिला पैसा वह खर्च करते गए और कुछ संपत्तियां चल अचल उन्होने अर्जित की वहीं कुछ ऐसी आशंका है कि उन्होंने छिपा या गाड़ रखा है जो वह कानूनी कार्यवाही से बच निकलने उपरांत अपने भविष्य के लिए उपयोग में लायेगे। वह अब किसी का पैसा नहीं लौटाएंगे यह तय है जो आगे पता चलने वाला है। खैर असफाक और उसका पिता क्या करने वाले हैं कि बजाए अब यह महत्वपूर्ण है कि पुलिस कैसे सभी का पैसा वापस दिलाएगी? अशफाक को जेल भेजने मात्र से ठगी के शिकार लोगों के साथ न्याय नहीं होने वाला असफाक को उसके पिता को बड़ी सजा हो या उनकी सभी संपत्ति कुर्क कर सभी का पैसा भुगतान हो तभी न्याय माना जाएगा। वैसे अशफाक उल्लाह मामले में जब तक पृथक पृथक प्राथमिकी दर्ज नहीं होगी न्याय मिलना असंभव है यह शिकायतकर्ताओं के अधिवक्ताओं का कहना है।

क्या पटना थाना में आनंद आएगा?

क्या पटना थाने में आनंद का होने वाला है साम्राज्य.. क्या अब आनंद ही पुनः होंगे थाना प्रभारी?

क्या खास है पुलिस थाना पटना में जहां आने के लिए थानेदार पुलिस अधीक्षक का भी तबादला करवाने की जुगत लगाते हैं?

कोयला, कबाड़, जुआ और नशीली दवाओं का गढ़ रहा है पटना क्षेत्र क्या यही है वजह यहां का प्रभार लेने आते हैं हर कोई?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/पटना 14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

क्या कोरिया जिले के पुलिस थाना पटना में आनंद का साम्राज्य पुनः स्थापित होने वाला है। क्या अब आनंद ही आनंद का मामला सेट होने वाला है। यह बात इसलिए कही जा रही है क्योंकि पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार का तबादला आनंद की पुनः पटना थाने में पदस्थापना के लिए की गई है यह बात अब खुद कुछ लोग अपनी जबानी कह रहे हैं। वैसे आनंद क्या विषय क्या है और आनंद का आज प्रसंग क्यों है यह आनंद को जब लोग जानेंगे वैसे ही समझ जाएंगे क्योंकि आनंद वह शख्शियत हैं जिन्होंने अपनी जिद के लिए पुलिस अधीक्षक को वाहिनी का रास्ता दिखा दिया। वैसे पटना थाना और आनंद को कम ही लोग नहीं पहचानते होंगे आनंद ऐसे पुलिस उप निरीक्षक हैं जो निरीक्षक ही रहना पसंद करते हैं और जिन्हें पटना थाना ही पूरे प्रदेश में पसंद आया है। जुआ,सट्टा,कोयला, कबाड़ और नशीली दवाओं का कारोबार जहां कभी बंद नहीं हुआ हर अखबार की हमेशा सुर्खियों में रहने वाला पटना क्षेत्र और थाना क्यों कोई इतनी शिद्दत से चाहेगा कि वह पुलिस अधिक्षक को ही भगा देगा यह समझने वाली बात है।

वैसे नए पुलिस अधीक्षक का विधायक के यहां कार्यभार ग्रहण से पहले ही जाना और सामाजिक उनका प्रभाव स्थापित करना जो नजर आ रहा है यह जता रहा है कि बड़ी कृपा से उन्हें मिला है यह दायित्व और वह समर्पित रहने वाले हैं हर उस व्यक्ति के प्रति जो उनके लिए सहयोगी रहा है भले वह आनंद क्यों न हो। वैसे आनंद का मामला अब बन गया और वह लूप लाइन से निकलने वाले हैं और अब देखना है कि क्या वह सही में पटना थाना पहुंचते हैं क्योंकि पटना नहीं तो कुछ भी नहीं उनका स्पष्ट सन्देश है। आज आनंद अपनी पदस्थापना के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं पटना थाना अब उनकी आदत के लिए तैयार है। कोयला, जुआ,नशीली दवा और कबाड़ का व्यवसाय आनंद आनंद की चाह में प्रतीक्षा कर रहा है। वहीं वर्तमान थाना प्रभारी को भी इस बात का डर सताने लगा है कि कहीं पटना का आनंद हुआ उनका अंत होना ना हो जाए, वैसे भी वर्तमान थाना प्रभारी ने जमकर अवैध कारोबार को संरक्षण दिया अब नए थाना प्रभारी यदि आते हैं तो कार्यवाही करेंगे या फिर पुराने थाना प्रभारी के ही नक्शे कदम पर चलेंगे?

छत्तीसगढ़ में सुशासन और विकास की नई परिभाषा: विधायक रेणुका सिंह

विधायक रेणुका सिंह ने गिनाई जिले और राज्य के एक साल की उपलब्धियां,जनसंपर्क विभाग की फ़ोटो प्रदर्शनी का किया अवलोकन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,14 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भरतपुर-सोनहत की विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर राज्य की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन और विकास के क्षेत्र में मिली सफलताओं को रेखांकित किया।

विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए प्रशासन को पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाया है। सुशासन सुनिश्चित करने के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। नागरिक सेवाओं को डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाने पर जोर दिया गया है। विधायक ने बताया कि राज्य सरकार ने किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक 6530 करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है। 18 लाख आवास व 68 लाख गरीब परिवारों को पांच साल तक मुफ्त राशन दिया–रेणुका-विधायक ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास निर्माण की स्वीकृति दी है। राज्य के 68 लाख गरीब परिवारों को पांच साल तक मुफ्त राशन दिया जा रहा है। युवाओं के लिए रोजगारपरक नई उद्योग नीति लागू की गई है, जिसमें स्वरोजगार और लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने बताया कि तेन्दूपत्ता संग्रहण की दर 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपए मानक बोरा की गई है। जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से समाज की पहचान को नया आयाम दिया गया है।

राज्य में पांच शक्ति पीठों का विकास, बस्तर पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण और भगवान राम से छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक संबंधों को उजागर करने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं...रेणुका सिंह ने बताया कि बीते एक वर्ष में 213 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और 1750 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। बंद पड़े स्कूलों को फिर से खोला गया और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं को गति दी गई है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से कहा कि राज्य में पांच शक्ति पीठों का विकास, बस्तर पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण और भगवान राम से छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक संबंधों को उजागर करने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वय से 31 हजार करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं और कई रेल नेटवर्क विस्तार योजनाओं को मंजूरी मिली है। श्रीमती रेणुका सिंह ने विगत एक साल में कोरिया जिले के उपलब्धि के बारे में बताया कि 93 प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बन चुका है, जो राज्य में तीसरे स्थान पर है। सरस्वती सायकिल योजना, महतारी वन्दन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना के मामले में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री आवास योजना में भी बड़ी सफलता अर्जित की है। विधायक ने जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई फ़ोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया, उन्होंने पेपर कतरनों की सराहना भी की। राज्य की जनता और मीडिया का धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार जनता के समर्थन से छत्तीसगढ़ को प्रगति और सुशासन का मॉडल राज्य बनाएगी। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अपर कलेक्टर श्री अरुण मरकाम, डिप्टी कलेक्टर श्री विनय कश्यप सहित बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि शामिल थे।

छत्तीसगढ़ शासन
25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
बस्तर ओलंपिक 2024
करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर
सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल
बस्तर ओलंपिक 2024
खेलों के जरिए सुखद भविष्य की ओर बढ़ता बस्तर
श्री अमित शाह
माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
खेलेगा बस्तर
बढ़ेगा बस्तर
हमने बनाया है
हम ही सँवारेंगे
संवाद 42449/39
हमसे जुड़ने के लिए
Q.R. स्कैन करें
ChhattisgarhCMO
Visit us: DPRChhattisgarh
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)